RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:15 ता. 11 जुलाई 2024, गुरूवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

शिमला में जमीन धंसने का खतरा....डराने लगी बारिश

शिमला । हिमाचल प्रदेश में मॉनसून धीमा पड़ा है। हालांकि, अगले दो दिन में भारी बारिश का अनुमान हैं। बीते 24 घंटे में प्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश हुई है। उधर, शिमला में जमकर बारिश होने की वजह से रिज मैदान के पास पदम पैलेस के नीचे की तरफ दरारें आईं और यहां पर जमीन धंसने का खतरा बढ़ गया है। मौसम विभाग के शिमला केंद्र ने अगले 7 दिन तक बारिश की संभावना जाहिर की है। हिमाचल में 16 जुलाई तक बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक सुरेंद्र पॉल ने बताया कि हिमाचल में कुछ इलाकों में बारिश हो रही है। लेकिन 11 और 12 जुलाई को प्रदेश भर में बारिश होगी। उन्होंने बताया कि जून महीने में 40 फीसदी कम बारिश हुई थी। लेकिन अब सामान्य बारिश हो रही है। हिमाचल में बारिश और लैंडस्लाइड की खबरों के चलते अब प्रदेश में टूरिस्ट की संख्या कम हुई है। शिमला और मनाली में अब टूरिस्ट कम संख्या में पहुंच रहे हैं। हिमाचल में लगातार बारिश से तापमान गिरा है। शिमला में ठंड महसूस की जा रही है। बुधवार को शिमला में न्यूनतम तापमान 17.5 डिग्री दर्ज किया गया है. इसी तरह, मंडी के सुंदरनगर 24.0, कुल्हू के भुंतर 21.6, किन्नौर का कल्पा 13.0, धर्मशाला 21.5, ऊना 24.7, नाहन 24.1, केलांग 11.9, पालमपुर 19.5, सोलन 22.5, मनाली 16.7, कांगड़ा 23.0, मंडी 25.2, बिलासपुर 26.2, हमीरपुर 25.5, डलहौजी 18.7, जुब्बड़हट्टी 22.0, कुफरी 16.1, नारकंडा 14.5, भरमौर 18.0, रिकांगपिओ 17.0, धौलाकुआं 24.0,बरठीं 25.2, समदो 17.1, कसौली 19.9, पांवटा साहिब 24.0, सराहन 19.5, देहरा गोपीपुर 27.0, सैंज 20.0 और बजौरा में 22.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

बाराबंकी में सरयू उफान पर, दर्जनों गांव जलमग्न

बाराबंकी। लगातार हो रही बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के चलते बाराबंकी जिले में सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है जिससे दर्जनों गांव जलमग्न हो गए हैं। मूसलाधार बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के चलते सरयू नदी खतरे के निशान से लगभग 52 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है, इसकी चपेट में सैकड़ो गांव प्रभावित हो रहे हैं। वहीं दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी लोगों के घरों में घुसने लगा है। जिले की तीन तहसीलों में हाहाकार मचा हुआ है और हजारों बीघा फसल नष्ट हो चुकी है। मवेशी के चारे पानी की समस्या हो गई है। बाढ़ प्रभावित गांव से लोग अपने मवेशियों को साथ सुरक्षित स्थानों पर जाने लगे हैं। नेपाल के गिरजा व शारदा बैराज से लगभग चार लाख 30 हजार पानी छोड़ने से एल्गिन ब्रिज पर नदी खतरे की निशान से लगभग 52 सेंटीमीटर ऊपर हो गई है। रामनगर तहसील के ग्राम हेतमपुर सुंदर नगर पर्वतपुर गायघाट जमका गुजरी अकोला आदि गांव पानी से गिर गए हैं।

महाराष्ट्र में फिर हिट एंड रन, कार की टक्कर से महिला की मौत

पुलिस ने मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया

नासिक । पुणे में पोर्श कार, मुंबई में बीएमडब्ल्यू कांड के बाद अब महाराष्ट्र के नासिक से एक और हिट एंड रन का केस सामने आया है। यहां कार ने सड़क पर चलती महिला को तेज टक्कर मार दी, जिसके बाद महिला की मौत हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि महिला काफी दूर जाकर गिरी। खास बात है कि पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हुई है। फिलहाल, पुलिस जांच कर रही है। नासिक में तेज रफ्तार कार ने एक महिला को चपेट में ले लिया। मृतका की पहचान वैशाली शिंदे के रूप में हुई है। खबर है कि टक्कर के बाद महिला 15 से 20 मीटर दूर जाकर गिरी थी। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि महिला सड़क से गुजर रही है। तभी एक कार उन्हें टक्कर मार देती है। हादसे में घायल हुई 36 वर्षीय शिंदे को अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां बाद में उन्होंने दम तोड़ दिया। टक्कर के बाद ड्राइवर मौके से भाग गया था। अब खबर है कि पुलिस ने इस मामले में दो लोगों को हिरासत में लिया है।

मायावती ने एसटीएफ रिपोर्ट को बताया राजनीति से प्रेरित

लखनऊ ।

उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) सुप्रीमो मायावती ने हाथरस हादसे पर जारी एसआईटी की रिपोर्ट पर सवाल खड़े कर दिए हैं। मायावती का कहना है कि रिपोर्ट घटना की गंभीरता के हिसाब से नहीं, बल्कि राजनीति से प्रेरित दिखाती है। पूर्व सीएम मायावती ने पोस्ट किया, हाथरस जिले में सत्संग भगदड़ कांड में हुई 121 निर्दोष महिलाओं व बच्चों आदि की दर्दनाक मौत सरकारी लापरवाही का जीता-जागता प्रमाण है। किन्तु एसआईटी की ओर से योगी सरकार को पेश रिपोर्ट घटना की गंभीरता के हिसाब से नहीं होकर राजनीति से प्रेरित ज्यादा लगती है, यह अति-दुखद है। मायावती ने कहा, इस अति-जानलेवा घटना के मुख्य आयोजक भोले बाबा की भूमिका के संबंध में एसआईटी की खामोशी भी लोगों में चिंताओं का कारण है। साथ ही, उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई के बजाय बाबा को क्लीनचिट देने का प्रयास खासा चर्चा का विषय है।

41 साल बाद पीएम मोदी पहुंचे ऑस्ट्रिया.....

नई दिली ।

रूस के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रिया की ऐतिहासिक यात्रा की। तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में पीएम मोदी को ऑस्ट्रिया आने का मौका मिला। दरअसल, पीएम मोदी की ऑस्ट्रिया यात्रा ऐतिहासिक होने के साथ-साथ काफी विशेष भी है। बता दें कि 41 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रिया का दौरा किया है। इस बीच, बुधवार को ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में पीएम मोदी ने चांसलर कार्ल नेहमर के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता की। ऑस्ट्रिया ने पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया, जिसका पीएम मोदी ने आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे ऑस्ट्रिया आने का अवसर मिला। पीएम मोदी ने कहा कि मेरी ये यात्रा ऐतिहासिक भी है और विशेष भी है। 41 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रिया का दौरा किया है। ये भी सुखद संयोग है कि ये यात्रा उस समय हो रही है, जब हमारे आपसी संबंधों के 75 साल पूरे हुए हैं। बता दें कि पीएम मोदी और चांसलर नेहमर के बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। दोनों ही नेताओं ने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए नई संभावनाओं पर चर्चा की। पीएम मोदी ने आतंकवाद के मुद्दे पर कहा कि मैंने और चांसलर नेहमर ने विश्व में चल रहे विवादों (चाहे यूक्रेन में संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की स्थिति) पर विस्तार से बात की है। मैंने पहले भी कहा है कि यह युद्ध का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि हम दोनों आतंकवाद की कठोर निंदा करते हैं। हम सहमत हैं कि ये किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है।

ऑस्ट्रिया में पीएम मोदी का वंदे मातरम से हुआ स्वागत

वियना। वियना में ऑस्ट्रियाई कलाकारों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वागत में 'वंदे मातरम' गाया। एक अन्य पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा कि भारत-ऑस्ट्रिया की दोस्ती मजबूत है और आने वाले समय में यह और भी मजबूत होगी। यह 40 से अधिक वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की ऑस्ट्रिया की पहली यात्रा है, इससे पहले इंदिरा गांधी 1983 में ऑस्ट्रिया गई थीं। मोदी की ऑस्ट्रिया यात्रा के दौरान, दोनों देश अपने संबंधों को और गहरा करने और विभिन्न भू-राजनीतिक चुनौतियों पर निकट सहयोग के तरीकों पर विचार करेंगे। चार दशक से अधिक समय के अंतराल के बाद कोई भारतीय प्रधानमंत्री मंगलवार को ऐतिहासिक यात्रा पर ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना पहुंचा। अपने आगमन के तुरंत बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को ऑस्ट्रियाई चांसलर कार्ल नेहमर ने एक निजी कार्यक्रम में आमंत्रित किया। नेहमर ने माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म पर अपनी और मोदी की एक तस्वीर पोस्ट की और कहा- वियना में आपका स्वागत है। ऑस्ट्रिया और भारत मित्र और साझेदार हैं। वहीं प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रियाई चांसलर को गर्मजोशी से स्वागत के लिए धन्यवाद दिया।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला,

मुस्लिम महिलाएं भी गुजारा भत्ता मांगने की हकदार

कानून ऐतिहासिक शाह बानो केस का नतीजा

नई दिली ।

सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं के हक में बड़ा फैसला सुनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं भी सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पति से गुजारा भत्ता लेने के लिए याचिका लगाने की हकदार हैं। तेलंगाना के एक मुस्लिम शख्स ने अपनी तलाकशुदा पत्नी को भत्ते के रूप में 10,000 रुपये देने के हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने अलग-अलग लेकिन एकमत से फैसला सुनाकर कहा कि धारा 125 सीआरपीसी सभी महिलाओं पर लागू होती है। उन्होंने कहा कि अगर किसी मुस्लिम महिला को धारा 125 सीआरपीसी के तहत आवेदन के दौरान तलाक दे दिया जाता है, तब वह मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 2019 के तहत गुहार लगा सकती है, जो अतिरिक्त उपाय प्रदान करता है।

जस्टिस नागरत्ना के हवाले से कहा, हम इस आपराधिक अपील को इस अहम निष्कर्ष के साथ खारिज कर रहे हैं कि धारा 125 सीआरपीसी सभी महिलाओं पर लागू होगी, न कि केवल विवाहित महिलाओं पर। उन्होंने कहा कि अगर मुस्लिम महिला तलाकशुदा है और पीड़ित महिला ने धारा 125 सीआरपीसी के तहत आवेदन किया है, तब वह मुस्लिम महिला (विवाह पर अधिकारों की सुरक्षा) अधिनियम, 2019 का सहारा ले सकती हैं, जो अतिरिक्त राहत प्रदान करता है। शीर्ष अदालत ने मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों की सुरक्षा) अधिनियम, 1986 के बावजूद तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं पर आपराधिक प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के लागू होने की फिर से पुष्टि की है। यह कानून ऐतिहासिक शाह बानो केस का नतीजा है, जहां अदालत ने धारा 125 सीआरपीसी को एक धर्मनिरपेक्ष प्रावधान के रूप में मान्यता दी थी, जो मुस्लिम महिलाओं पर भी लागू होता है।

अब तक पर्सनल लॉ के आधार पर बने कानून के तहत तलाक होने के बाद 90 से 100 दिनों की इद्दत यानी एकांतवास की अवधि तक ही मुस्लिम महिलाएं अपने पूर्व शौहर से गुजारा भत्ता पाने की हकदार हैं। इसके बाद उन्हें गुजारा भत्ता नहीं मिलता। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने शाह बानो के मामले में फैसला सुनाया था कि मुस्लिम महिलाएं भी अन्य महिलाओं की तरह गुजारा भत्ता मांगने की हकदार हैं।

46 साल बाद 14 जुलाई को खुलेगा जगन्नाथ मंदिर का खजाना भंडार

पुरी ।

पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर का खजाना भंडार जहां मंदिर के बहुमूल्य रत्न रखे गए हैं, वे 46 साल बाद ओडिशा सरकार ने 14 जुलाई को खोलने का ऐलान किया है। हाई लेवल कमेटी मंदिर के अंदर रखे गए खजाने की जांच कर बहुमूल्य रत्नों की लिस्ट बनाकर ओडिशा सरकार को देगी। इस समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिस्वनाथ रथ ने अे य सदस् यों के साथ बैठक में यह बात कही। उन्होंने बताया कि आंतरिक रत्न भंडार खोलने का सर्वसम्मति से फैसला हुआ। जिसकी तैयारी हो चुकी है।

मंदिर के रत्न भंडार में 12वीं शताब्दी के बहुमूल्य आभूषण हैं। जो लंबे समय से भक्तों और राजाओं द्वारा भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को भेंट किए गए। यह रत्न भंडार मंदिर के काफी अंदर स्थित है। इसमें दो कमरे हैं आंतरिक और बाहरी कक्षाजब जगन्नाथ जी और उनके भाई-बहन के सुंदर स्वरूपों को स्वर्ण पोशाक पहनानी होती है, तब बाहरी कक्ष खोला जाता है। प्रत्येक वर्ष जगने नाथ यात्रा के दौरान यह एक प्रमुख अनुष्ठान होता है। केवल प्रमुख त्यौहारों के दौरान ही कक्ष के द्वार खुलते हैं। 2024 से पहले 1978 में रत्न भंडार में जमा खजाने की सूची तैयार की गई थी, लेकिन जब 1985 में फिर से खोला गया तब कोई नई सूची नहीं बनाई गई थी।

12वीं सदी के नियमों के मुताबिक जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को खोलने के लिए राज्य सरकार की मंजूरी चाहिए है। इसका प्रस्ताव मंदिर प्रबंध समिति के द्वारा आता है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने बड़ा मुद्दा बनाकर रत्न भंडार खोलने का वादा किया था।

मोदी फैंन निकले चांसलर नेहमर....सेल्फी पोस्ट कर लिखा

नई दिली ।

भारत के मित्र देश रूस में ग्रैंड बेलकम के बाद अब बारी यूरोप में डंका बजाने की थी। भारत एकमात्र ऐसा देश है, जो पश्चिम और रूस के बीच सेंटर ऑफ एट्रक्शन बनकर खड़ा हुआ है। भारत के साथ यूरोप भी संबंध बनाने के लिए कितना उत्सुक है, ये वहां से आई तस्वीरों से साफ होता है। 40 साल बाद ये पहला मौका था जब भारतीय प्रधानमंत्री ऑस्ट्रिया की धरती पर उतरा था। ऑस्ट्रिया में ग्रैंड वेलकम देखकर साफ अंदाजा लग सकता है कि मोदी के चर्चे दुनियाभर में हैं। तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में एक ही बार में प्रधानमंत्री मोदी ने यूरोप और रूस का दौरा कर दुनिया को सीधा संकेत दे दिया है कि किसी एक पक्ष की तरफ भारत का झुकाव नहीं है।

रूस के दौरे की निंदा करने वाली पश्चिमी मीडिया अब यूरोप के दौरे को कवर करने के लिए भी मजबूर है। ऑस्ट्रिया पहुंचने के साथ ही पीएम मोदी की आवभगत देखकर सभी हैरान रह गए। ऑस्ट्रिया के विदेश मंत्री अलेक्जेंडर शेलेनबर्ग ने हवाई अड्डे पर मोदी का स्वागत किया।

वियना में मोदी ने भारतीय प्रवासियों के साथ मुलाकात की। इसके साथ ही ऑस्ट्रिया पहुंचे पीएम मोदी से वहां के चांसलर कार्ल नेहमर ने मुलाकात की। इतना ही नहीं नेहमर ने पीएम मोदी के साथ सेल्फी भी ली। सेल्फी पोस्ट कर उन्होंने लिखा कि पीएम मोदी वियना में आपका स्वागत है। ऑस्ट्रिया और भारत साझेदार हैं। मैं आफ्की यात्रा के दौरान हमारे राजनीतिक और आर्थिक चर्चाओं की प्रतीक्षा कर रहा हूं।

सुप्रीम कोर्ट में टली समलैंगिक विवाह पर सुनवाई, जस्टिस संजीव खन्ना हुए केस से अलग

नई दिली ।

सुप्रीम कोर्ट में समलैंगिक विवाह मामले पर बुधवार को सुनवाई टल गई है। मामले पर सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की गई थी। 5 जजों में से एक जज जस्टिस संजीव खन्ना ने व्यक्तिगत कारणों से खुद को सुनवाई से अलग किया है। दरअसल, पुरुष समलैंगिक अधिकार कार्यकर्ताओं को झटका देकर सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान पीठ ने 17 अक्टूबर 2023 को समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इंकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट में जजों के चैंबर में बुधवार को पुनर्विचार याचिका पर सुनवाई होनी थी। वहीं, अब मुख्य न्यायधीश डी वाई चंद्रचूड़ फिर से बेंच का गठन करने वाले हैं। सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने से इंकार करने संबंधी उसके पिछले साल के फैसलें की समीक्षा के लिए दायर याचिकाओं पर खुली अदालत में सुनवाई करने की अनुमति देने से साफ मना कर दिया था। हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने समलैंगिक लोगों के अधिकारों की जोरदार पैरोकारी की थी, ताकि अन्य लोगों को उपलब्ध वस्तुओं और सेवाओं को पाने में उन्हें भेदभाव का सामना न करना पड़े। इस दौरन कोर्ट ने उत्पीड़न एवं हिंसा का सामना करने वाले(ट्रांसजेंडर) समुदाय के लोगों को आश्रय देने के लिए सभी जिलों में गरिमा गृह और संकट की घड़ी में इस्तेमाल करने के लिए समर्पित हॉटलाइन नंबर की व्यवस्था करने को कहा था।

बुधवार को पांच जजों की बेंच को करना था विचार

सीजेआई चंद्रचूड़, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस बी वी नागरत्ना और जस्टिस पी एस नरसिम्हा फैसलें की समीक्षा का अनुरोध करने वाली याचिकाओं पर 10 जुलाई को अपने कक्ष में विचार करने वाले हैं।

उदयपुर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों में दूसरे व एशिया में पहली पायदान पर

ट्रेवल प्लस लीजर एजेंसी ने अमेरिका में वर्ल्ड बेस्ट अवार्ड घोषित किए

जयपुर ।

ट्रेवल प्लस लीजर एजेंसी ने अमेरिका में वर्ल्ड बेस्ट अवार्ड घोषित किए। राजस्थान के उदयपुर को पूरी दुनिया में सबसे सर्वश्रेष्ठ शहरों की रैंकिंग में दूसरा स्थान, वहीं एशिया में उदयपुर नंबर वन रैंकिंग पर है। ट्रेवल प्लस लीजर रीडर्स अवार्ड के तहत दुनिया भर दस सर्वश्रेष्ठ शहरों की लिस्ट जारी की गई इसमें मैक्सिको के शहर सैन मिगुएल डी ऑलेंडे को पहला स्थान, उदयपुर को दूसरा स्थान व तीसरे स्थान पर जापान का क्योटो शहर है। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने उदयपुर को वर्ल्ड रैंकिंग में दूसरा स्थान व एशिया में पहला स्थान मिलने पर प्रसन्नता जाहिर कर कहा कि उदयपुर को दुनिया के सबसे खूबसूरत व सर्वश्रेष्ठ शहरों में स्थान मिलना शहर की विरासत, कला-संस्कृति, खान-पान और स्थानीय लोगों का सम्मान हैं, जिन्होंने दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की नीतियों व पर्यटन क्षेत्र से जुड़े सभी स्टेकहोल्डर्स की सामूहिक प्रयासों का परिणाम है कि राजस्थान दुनिया के सबसे पसंदीदा व बेस्ट पर्यटन स्थलों में शुमार है और यहां आने वाले पर्यटक सुखद यादें संजोकर अपने देश को लौटते हैं। वहीं प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के नेतृत्व में राजस्थान पर्यटन सफलता के नए आयाम गढ़ रहा है, इस साल की शुरूआत में ही प्रदेश में देशी व विदेशी पर्यटकों की आवक में काफी बढ़ी है, जो इस बात का संकेत है कि राजस्थान पर्यटकों के लिए सबसे पसंदीदा राज्य है।

पर्यटन विभाग की निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा ने कहा कि प्रदेश पर्यटन विभाग पर्यटन स्थलों पर पर्यटकीय सुविधाओं को वैश्विक मानकों के अनुसार विकसित कर रहा है। उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी के कुशल नेतृत्व व प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ के दिशा-निर्देशन में राजस्थान पर्यटन रेकॉर्ड उपलब्धियां हासिल करेगा।

दुनिया के दस सर्वश्रेष्ठ शहर:-

- 1. सैन मिगुएल डी ऑलेंडे, मेक्सिको
- 2. उदयपुर, भारत
- 3. क्योटो, जापान
- 4. होई एन, वियतनाम
- 5. चियांग माई, थाईलैंड
- 6. फ्लोरेंस, इटली
- 7. बैंकॉक, थाईलैंड
- 8. टोक्यो, जापान
- 9. उबुद, इंडोनेशिया
- 10. फुंचाल, पुर्तगाल

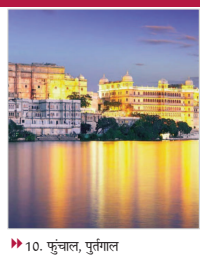

दिल्लीवालों की जेब पर खर्चा....बढ़ रहे बिजली के दाम

नई दिल्ली । राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बिजली के दामों में बढ़ोतरी होने वाली है। बिजली के मूल्य में हुई बढ़ोतरी मई महीने से जोड़ी जाएगी यानी 1 मई के बाद खर्च की गई बिजली का बिल बढ़े हुए दाम के साथ जोड़ा जाएगा। जुलाई में रहे बिलों में बढ़ोतरी दिखेगी। यह बढ़ोतरी 1 मई से 3 महीने के लिए लागू रहेगी। इसके बाद बिजली की दर तय करने वाला डीईआरसी, बिजली कंपनियों की याचिका के हिसाब से आदेश देगा। बता दें कि बीएसईएस की दो कंपनियां बीआरपीएल और बीवाईपीएल के इलाकों में बिजली महंगी हुई है। बीवाईपीएल के इलाकों में 6.15 फीसदी की बढ़ोतरी और बीआरपीएल के इलाकों में 8.75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। वहीं तीसरी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड ने कोई भी बढ़ोतरी नहीं की है। बीवाईपीएल के इलाके में पूर्वी और सेंट्रल दिल्ली के हिस्से आते हैं और बीआरपीएल के इलाके में दक्षिणी दिल्ली और पश्चिमी दिल्ली के क्षेत्र आते हैं।

बाराबंकी में सरयू उफान पर, दर्जनों गांव जलमग्न

बाराबंकी। लगातार हो रही बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के चलते बाराबंकी जिले में सरयू नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है जिससे दर्जनों गांव जलमग्न हो गए हैं। मूसलाधार बारिश और नेपाल से छोड़े गए पानी के चलते सरयू नदी खतरे के निशान से लगभग 52 सेंटीमीटर ऊपर बह रही है, इसकी चपेट में सैकड़ो गांव प्रभावित हो रहे हैं। वहीं दर्जनों गांव में बाढ़ का पानी लोगों के घरों में घुसने लगा है। जिले की तीन तहसीलों में हाहाकार मचा हुआ है और हजारों बीघा फसल नष्ट हो चुकी है। मवेशी के चारे पानी की समस्या हो गई है। बाढ़ प्रभावित गांव से लोग अपने मवेशियों को साथ सुरक्षित स्थानों पर जाने लगे हैं। नेपाल के गिरजा व शारदा बैराज से लगभग चार लाख 30 हजार पानी छोड़ने से एल्गिन ब्रिज पर नदी खतरे की निशान से लगभग 52 सेंटीमीटर ऊपर हो गई है। रामनगर तहसील के ग्राम हेतमपुर सुंदर नगर पर्वतपुर गायघाट जमका गुजरी अकोला आदि गांव पानी से गिर गए हैं।

संदेशखली मामले में ममता सरकार की जीत....सीबीआई को सख्त संदेश

नई दिल्ली । संदेशखली में सीबीआई की बिना अनुमति के जांच करने के मामले में ममता सरकार को सुप्रीम कोर्ट से जीत मिली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को सुनवाई में कहा कि संदेशखली मामले में सीबीआई द्वारा बिना पूर्व सहमति के केस दर्ज करने को चुनौती देने वाली पश्चिम बंगाल सरकार की याचिका वैध है। जस्टिस बीआर गवई और संदीप मेहता की की बेंच ने याचिका की स्वीकार्यता पर केंद्र की प्रारंभिक आपत्तियों और तर्क को भी खारिज किया कि बंगाल ने तथ्यों को छिपाया है। कोर्ट ने कहा कि चूंकि पश्चिम बंगाल ने 2018 में सीबीआई से सामान्य सहमति वापस ले ली थी, इसलिए एजेंसी राज्य के भीतर अपराधों के संबंध में एफआईआर दर्ज करना जारी नहीं रख सकती थी। रिपोर्ट के अनुसार, अपनी याचिका में बंगाल ने कहा कि सीबीआई केंद्र के अधीन काम कर रही है।

हिट-एंड-रन मामला : मुख्य आरोपी मिहिर शाह ने कबूली कार चलाने की बात

-मुंबई पुलिस के सूत्रों के हवाले से खबर

मुंबई । हिट-एंड-रन मामले के मुख्य आरोपी मिहिर शाह ने कथित तौर पर बीएमडब्ल्यू चलाने की बात स्वीकार की है, जिसने एक बाइक को टक्कर मारी और इसमें एक महिला की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान, मिहिर ने घातक दुर्घटना के लिए अपने कार्यों और उसके बाद क्या किया, इसका विवरण दिया। मुंबई हिट-एंड-रन मामले में फरार आरोपी और शिवसेना नेता राजेश शाह के बेटे मिहिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। कथित तौर पर अपनी लग्जरी कार को एक दोपहिया वाहन से टकराने के दो दिन बाद मिहिर, जो रविवार सुबह से पुलिस से बचने में कामयाब रहा, मुंबई के पास विरार से गिरफ्तार किया गया। मिहिर की मां और दो बहनों को ठाणे जिले के शाहपुर से पूछताछ के लिए मुंबई लाया गया। पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि उनसे और 10 अन्य लोगों से पूछताछ की जा रही है। मुंबई पुलिस के अनुसार, तेज रफ्तार कार ने कावेरी नखवा को करीब 1.5 किलोमीटर तक घसीटा, इसके पहले कि मिहिर ने कार रोकी, अपने ड्राइवर राजर्षि बिदावत के साथ सीट बदली और दूसरी गाड़ी से भाग गया। पुलिस के अनुसार, मिहिर शाह अपनी कार और ड्राइवर को कला नगर इलाके में छोड़कर ऑटो रिक्शा में बैठकर भाग गए। इसके बाद गोरेगांव में अपनी महिला मित्र के घर पहुंचा।

अमरनाथ यात्रा : बाबा के जयकारे लगाते हुए 4,627 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

जम्मू । 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार को 4,627 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना हुआ। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कहा, 4,627 यात्रियों का एक और जत्था बुधवार की सुबह जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों के बीच रवाना हुआ। पहला काफिला सुबह 3.07 बजे 90 वाहनों में 1,854 यात्रियों को लेकर उत्तरी कश्मीर के बालटाल बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। दूसरा, 95 वाहनों का सुरक्षा काफिला 2,773 यात्रियों को लेकर दक्षिण कश्मीर के नुनवान (पहलगाम) बेस कैंप के लिए सुबह 3.33 बजे रवाना हुआ। आतंकी हमले के बाद, अधिकारियों ने जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा बढ़ा दी है, जिसका इस्तेमाल यात्री कश्मीर पहुंचने के लिए करते हैं। मौसम विभाग ने दोनों यात्रा मार्गों पर आंशिक रूप से बादल छाए रहने और दिन में हल्की बारिश की संभावना है। दोनों मार्गों पर 124 से ज्यादा लंगर स्थापित किए गए हैं। वहीं 7,000 से ज्यादा सेवादार यात्रियों की सेवा कर रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को नियंत्रित करने के लिए, रेलवे अतिरिक्त ट्रेनें चला रहा है। दोनों मार्गों पर यात्रियों के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं भी उपलब्ध हैं। अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को समाप्त होगी।

1 करोड़ में सिक्के बेचने निकला बुजुग...खुद दो करोड़ की ठगी का शिकार

देहरादून। आज के समय में साइबर ठगी के कई मामले आते है। भोले-भले लोग, जिन्हें ठगी के इन नए तरीकों का कोई ज्ञान नहीं है, वे आसानी से इनके झांसे में आ जाते हैं। हाल ही में उत्तराखंड के रहने वाले एक बुजुर्ग को साइबर ठगों ने अपना निशाना बनाया। बस एक ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करते ही ये बुजुर्ग ठगों के संपर्क में आ गया और अपनी जमापूंजी गंवा बैठा। रिलायंस कंपनी के हाई पोस्ट से रिटायर हुए बुजुर्ग की उम्र 69 साल है। इस समय बुजुर्ग इंजीनियर्स एन्क्लेव में रहते हैं। बुजुर्ग के पास ब्रिटिश काल के कई सिक्के हैं। इस समय इन सिक्कों की करोड़ों में वैल्यू होगी। पिछले साल बुजुर्ग ने ऑनलाइन सिक्के बेच करोड़ों कमाने का एक लिंक देखा था। बस इसपर क्लिक करना ही उसकी जिंदगी की सबसे बड़ी भूल साबित हुई। बुजुर्ग ने जिस लिंक पर क्लिक किया, उसके बाद ही साइबर ठगों के संपर्क में आ गया। एक ठग ने कॉल कर उससे सिक्के खरीदने की डील तय की। शख्स ने एक करोड़ बारह लाख में सिक्के खरीदने की बात कही। इसके बाद सिक्के के पंजीकरण, जीएसटी, आयकर और कई तरह के टैक्स के नाम पर शख्स ने पीड़ित से एक करोड़ 58 लाख रुपए जमा करवाए। इसके बाद भी कई मौकों पर बुजुर्ग से पैसे जमा करवाकर कुल दो करोड़ पच्चीस लाख की ठगी की गई। अपने सिक्कों को बेचने के लिए बुजुर्ग पैसे जमा करता रहा। जब उसके पास की सेविंगस खत्म हो गई, तब बुजुर्ग ने अपने दोस्तों से 58 लाख रुपये उधार लिए। लेकिन उधार की रकम भी अब डूब गई। अब बुजुर्ग ने साइबर सेल से हेल्प मांगी है। टीम लगातार मामले पर काम कर पीड़ित को इंसाफ दिलवाने में जुटी है।

देश में डेंगू के बढ़ते मामलों पर केंद्र अलर्ट, स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने की बड़ी बैठक, बनाया मास्टर प्लान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने देश भर में डेंगू की स्थिति की समीक्षा करने और मानसून की शुरुआत और वृद्धि को देखते हुए डेंगू की रोकथाम और प्रबंधन के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणाली की तैयारियों की समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री को देश भर में डेंगू की स्थिति और मंत्रालय की तैयारियों के बारे में जानकारी दी गई। यह बताया गया कि केंद्रित, समयबद्ध और सहयोगात्मक गतिविधियों के परिणामस्वरूप डेंगू मामले की मृत्यु दर 3.3प्र. (1996) से घटकर 2024 में 0.1प्र. हो गई है।

मानसून की शुरुआत से उत्पन्न चुनौती और बरसात के मौसम के दौरान डेंगू के मामलों की संख्या बढ़ने के खतरे को रेखांकित करते हुए, नड्डा ने डेंगू के खिलाफ तैयार रहने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को डेंगू के खिलाफ रोकथाम, रोकथाम और प्रबंधन उपायों को मजबूत करने और मजबूत करने का निर्देश दिया। नड्डा ने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे मुख्य रूप से उच्च बोझ वाले राज्यों और क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करें जहां अक्सर प्रकोप की सूचना मिलती है।

उन्होंने अधिकारियों से डेंगू की रोकथाम पर ठोस परिणाम लाने के लिए राज्यों के साथ सक्रिय रूप से काम करने का आग्रह किया। उन्होंने विशेष रूप से आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए), ग्रामीण विकास मंत्रालय (एमओआरडी), शिक्षा मंत्रालय और नगर निगमों और स्थानीय स्वशासन को शामिल करते हुए डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण के लिए उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए अंतर-मंत्रालयी अभिसरण बैठकों पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि केंद्र डेंगू गतिविधियों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए समय पर कार्रवाई पर राज्यों के साथ सक्रिय रूप से संवाद कर रहा है। डेंगू की रोकथाम और नियंत्रण में हितधारकों और मंत्रालयों को उनकी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों के बारे में जागरूक करने के लिए विभिन्न अंतर-क्षेत्रीय बैठकें आयोजित की गई हैं। उन्होंने मुझे बताया कि आने वाले वर्षों में इन गतिविधियों को और मजबूत किया जाएगा।

मुकेश अंबानी ने बांके बिहारी को भेजा बेटे अनंत की शादी का कार्ड

मथुरा । देश के प्रमुख उद्योगपति मुकेश अंबानी ने अपने पुत्र अनंत की शादी का निमंत्रण यूपी के वृन्दावन स्थित ठाकुर बांके बिहारी को भेजा और उनसे पुत्र एवं पुत्रवधू को आशीर्वाद देने की प्रार्थना की। उद्योगपति के प्रतिनिधियों ने मंदिर के सेवायत पुजारी आचार्य गोपी गोस्वामी एवं श्रीनाथ गोस्वामी से भेंट कर ठाकुरजी को निमंत्रण पत्र दिया। गोस्वामी ने बताया कि प्रतिनिधियों ने पूर्ण वैदिक परंपरा के अनुसार मंत्रोच्चार के बीच मुकेश अंबानी द्वारा भेजा गया निमंत्रण ठाकुरजी के चरणों में रखा और उनसे अंबानी परिवार पर कृपा बनाए रखने तथा पुत्र एवं पुत्रवधू को आशीर्वाद देने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा उद्योगपति ने बेटे की शादी का निमंत्रण बांके बिहारी के साथ-साथ स्वामी हरिदासीय संप्रदाय से जुड़े टटिया स्थान आश्रम को भी भेजा है। गोस्वामी ने बताया कि वह ठाकुरजी की ओर से अंबानी के पुत्र की शादी में शामिल होने अपने अनुज श्रीनाथ गोस्वामी के साथ मुंबई जाएंगे और विवाह के अवसर पर अंबानी परिवार को ठाकुर जी के आशीर्वाद स्वरूप प्रसादी व अंगवस्त्र भेंट करेंगे। मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी की शादी 12 जुलाई को मुंबई में राधिका मर्चेंट के साथ होगी।

अखिलेश यादव का बड़ा आरोप, अयोध्या में बाहरी लोगों को जमीन बेची गई, अरबों रुपये का घोटाला हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने बुधवार को अयोध्या में बाहरी लोगों को जमीन की कथित बिक्री को लेकर भाजपा सरकार पर हमला किया और अरबों रुपये के भूमि घोटाले का दावा किया। उन्होंने इन भूमि सौदों की गहन जांच की भी मांग की। उन्होंने एक एक्स पोस्ट में लिखा कि जैसे-जैसे अयोध्या की ज़मीन के सौदों का भंडाफोड़ हो रहा है, उससे ये सच सामने आ रहा है कि भाजपा राज में अयोध्या के बाहर के लोगों ने मुनाफ़ा कमाने के लिए बड़े स्तर पर ज़मीन की ख़रीद-फ़रोख़्त की है।

सपा नेना ने कहा कि भाजपा सरकार द्वारा पिछले 7 सालों से सर्किल रेट न बढ़ाना, स्थानीय लोगों के ख़िलाफ़ एक आर्थिक षड्यंत्र है। इसकी वजह से अरबों रुपये के भूमि घोटाले हुए हैं। यहाँ आस्थावानों ने नहीं बल्कि भू-माफ़ियाओं ने ज़मीनें ख़रीदी हैं। उन्होंने कहा कि इन सबसे अयोध्या-फ़ैज़ाबाद और आसपास के क्षेत्र में रहनेवालों को इसका कोई भी लाभ नहीं मिला। ग़रीबों और किसानों से औने-पौने दाम पर ज़मीन लेना, एक तरह से ज़मीन हड़पना है। हम अयोध्या में तथाकथित विकास के नाम पर हुई 'धांधली' और भूमि सौदों की गहन जाँच और समीक्षा की माँग करते हैं।

वहीं, इससे पहले कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने शनिवार को कहा था कि उनकी पार्टी आगामी चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को उसी तरह हराएगी, जैसे उसने हालिया लोकसभा चुनाव में अयोध्या में उसे हराया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष गांधी ने अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं के सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। गांधी ने कहा, ''उन्होंने (भाजपा ने) हमें धमकाकर और हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाकर हमें चुनौती दी है। मैं आपको बताना चाहता हूं कि हम सब मिलकर उनकी सरकार को उसी तरह तोड़ देंगे जैसे उन्होंने हमारे कार्यालय को नुकसान पहुंचाया है। यह लिखकर ले लीजिए कि कांग्रेस गुजरात में चुनाव लड़ेगी और नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा को गुजरात में हराएगी, जैसा हमने अयोध्या में किया था।''

नीतिश ने किया पटना के मरीन ड्राइव के तीसरे फेस का उद्घाटन

पटना (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को जेपी गंगा पाथवे के तीसरे चरण का उद्घाटन किया, जिसे पटना का मरीन ड्राइव भी कहा जाता है। दीघा से गायघाट तक 12.5 किलोमीटर की दूरी पहले से ही चालू है, और अतिरिक्त 4.5 किलोमीटर की दूरी का निर्माण किया गया है, इस पटना घाट तक बढ़ाया गया है। जेपी गंगा पाथवे एक महत्वपूर्ण परियोजना है जिसका उद्देश्य सिंगल-लेन अशोक राजपथ पर यातायात की भीड़ को कम करना है, जहां दोनों ओर घने निर्माण के कारण सड़क को चौड़ा करना संभव नहीं है।

नीतिश ने कहा, निर्माण पूरा होने के बाद लोगों को पटना जाने में काफी मदद मिलेगी। इससे लोगों का समय बचेगा और उत्तरी तरफ से आने वाले लोगों के लिए यह सुविधाजनक होगा। यह चार लेन की सड़क गंगा नदी के किनारे अशोक राजपथ के समानांतर चलती है, जो पश्चिम में दीघा को पूर्व में मालसलामी से जोड़ती है। तीसरे चरण के पूरा होने से यात्रियों को कंगन घाट के रास्ते पटना साहिब गुरुद्वारा तक बेहतर पहुंच मिलेगी। हालांकि, अशोक राजपथ से जुड़ने के लिए पटना घाट पर एप्रोच रोड का निर्माण अधूरा है। कंगन घाट पर एप्रोच रोड पूरा हो गया है और चालू हो जाएगा। जेपी गंगा पथ का पहला चरण, दीघा से पटना मेडिकल कॉलेज और अस्पताल (पीएमसीएच) तक, 24 जून, 2022 को चालू हो गया। दूसरा चरण, पीएमसीएच से गायघाट तक, 14 अगस्त, 2023 को यात्रियों के लिए खोला गया। दीघा से मालसलामी तक पथ की कुल लंबाई 20.5 किमी है, शेष 3.5 किमी पर स्तंभ स्थापना और खंड फिटिंग का काम चल रहा है।

त्रिपुरा में नशे की चाहत में एचआईवी संक्रमित हो रहे युवा

अगरतला । करीब 35 लाख की आबादी वाला त्रिपुरा के युवा नशे की गिरफ्त में फंसता दिख रहा हैं। नशे के कारण नॉर्थ-ईस्ट के राज्य त्रिपुरा में एचआईवी भी तेजी से बढ़ रहा है। चिंताजनक हाल यह है कि इसकी चपेट में स्कूल-कॉलेज में पढ़ने वाले युवा आ रहे हैं। त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (टीएसएसीएस) के आंकड़ों के अनुसार, अभी तक राज्य में 828 छात्र एचआईवी संक्रमित मिले हैं, जबकि 47 छात्रों की मौत हो चुकी है। एचआईवी ग्रस्त 572 छात्र अभी जिंदा है। टीएसएसीएस का एक खुलासा और भी चौंकाने वाला है। सोसायटी के अधिकारी ने बताया कि अभी तक राज्य के 220 स्कूल और 24 कॉलेजों की पहचान की गई है, जहां छात्र नशीली दवा लेते हैं। त्रिपुरा के नौजवान न सिर्फ ड्रग्स ले रहे हैं, बल्कि नशे की चाहत में एचआईवी ग्रस्त हो रहे हैं। त्रिपुरा राज्य एड्स नियंत्रण सोसाइटी (टीएसएसीएस) के संयुक्त निदेशक ने बताया कि त्रिपुरा में रोजाना एचआईवी के पांच-सात मामले सामने आ रहे हैं। अभी तक 47 छात्रों की एड्स से मौत हो चुकी है। एचआईवी से पीड़ित कुल लोगों की संख्या 5,674 है, इसमें 4,570 पुरुष और 1,103 महिलाएं हैं। हैरान करने वाला फैक्ट यह है कि एचआईवी की चपेट में आने वाले अधिकतर युवा है। इसमें से भी 828 स्कूल और कॉलेज के छात्र हैं। अभी तक आए मामलों से पता चला कि जो छात्र एचआईवी की चपेट में आए, उमसें अधिकतर अमीर परिवारों से हैं। उनके माता और पिता नौकरी करते हैं।

'कांग्रेस ने शरिया को प्राथमिकता दी थी', गुजरा भत्ता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर बोली भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कि मुस्लिम महिलाएं तलाक के बाद अपने पतियों से गुजारा भत्ता पाने की हकदार हैं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बुधवार को कांग्रेस पर अपने हमले में विवादास्पद शाह बानो मामले का जिक्र किया और कहा कि राजीव गांधी सरकार ने संविधान पर शरिया को प्रधानता दी थी। 1985 में, सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के बाद अपने पति से गुजारा भत्ता की शाह बानो की याचिका को स्वीकार कर लिया। हालाँकि, तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने फैसले को पलटने के लिए संसद में एक कानून पारित किया।

भाजपा प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने आज कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के लिए सबसे बड़े खतरों में से एक को खत्म कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब भी कांग्रेस सत्ता में रही है, संविधान खतरे में रहा है। यह (राजीव गांधी सरकार का) एक निर्णय था जिसने संविधान पर शरिया को प्रधानता दी। इस आदेश से संविधान की जो प्रतिष्ठा कांग्रेस सरकार के समय कुचल दी गई थी, वह पुनः स्थापित हो गई है। इस फैसले ने संविधान पर मंडरा रहे एक बड़े खतरे को ख़त्म कर दिया है।

उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले को धर्म के नजरिए से नहीं देखा जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि यह समान अधिकार का मुद्दा है। उन्होंने दावा किया कि ऐसा कोई धर्मनिरपेक्ष राज्य नहीं है जहां हलाला, तीन तलाक और हज सब्सिडी जैसे शरिया प्रावधानों की इजाजत हो। त्रिवेदी ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने भारत को आंशिक इस्लामिक राज्य में बदल दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को फैसला सुनाया कि एक मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत अपने पति से गुजारा भत्ता मांग सकती है और कहा कि ÷धर्म-तटस्थ÷ प्रावधान सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होता है, चाहे उनका धर्म कुछ भी हो।

महाराष्ट्र में बदली सियासत......अब एनडीए के विधायक रिजार्ट में

-शिंदे और अजीत गुट के विधायक कर सकते हैं खेला

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में एकनाथ शिंदे की शिवसेना से बगावत के बाद दो साल हो चुके हैं। उनके बाद पिछले साल ही अजित पवार भी चाचा शरद पवार से बागी होकर शिंदे सरकार में डिप्टी सीएम बन गए। लोकसभा चुनाव से पहले तक विपक्ष बैकफुट पर दिख रहा था, लेकिन 30 सीटें हासिल करने के बाद विपक्ष फ्रंटफुट पर आ गया हैं। राज्य में विधान परिषद की 11 सीटों पर चुनाव हैं, लेकिन 12 कैंडिडेट उतार दिए गए हैं। इससे साफ है कि क्रॉस वोटिंग होगी। ऐसी स्थिति में दोनों गुटों की ओर से कोशिश है कि अपने विधायकों को एकजुट रखे और दूसरे के तोड़ लिए जाएं।

इस कोशिश में भाजपा और शिंदे की शिवसेना ज्यादा परेशान दिख रहे हैं, क्योंकि उन्हें होटलों की बुकिंग शुरू कर दी है। इससे ऐसा लग रहा है कि कांग्रेस, उद्धव सेना और शरद पवार से ज्यादा बेचैनी इस बार एनडीए गुट में है। हालांकि इसकी एक वजह यह है कि एनडीए के पास ज्यादा विधायक है। उद्धव और शरद पवार के पास अब एक-एक दर्जन विधायक ही बचे है। वहीं कांग्रेस भी बेफिक्र दिख रही है।

वहीं भाजपा, शिंदे सेना और अजित पवार गुट होटलों की बुकिंग में जुटे हैं ताकि विधायकों को एकसाथ रखा जा सके। ऐसा इसलिए कि क्रॉस वोटिंग का डर है। खासतौर पर शिंदे और अजित पवार के विधायकों के टूटने का डर है। आम चुनाव के बाद से ऐसी रिपोर्ट्स लगातार आई हैं कि विधायक अपनी वफादारी फिर से बदल सकते हैं। इसलिए इन्हें होटलों में रखने की कोशिश है। हालांकि अनंत अंबानी के विवाह के चलते मुंबई में फाइव स्टार होटल फुल हैं और कमरे मिलना मुश्किल हो रहा है। शादी के लिए लिए देश-विदेश से वीआईपी मेहमान आए हुए हैं। इसलिए साउथ मुंबई इलाके के ज्यादातर फाइव स्टार होटल बुक हो चुके हैं।

खबर है कि भाजपा और शिवसेना के विधायकों को अलग-अलग ठहराया जा सकता है। बता दें कि उद्धव सेना ने मिलिंद नार्वेकर को उतारा है, जो उद्धव के करीबी हैं। इसके बाद इसकी प्रबल संभावना है कि शिंदे सेना के कुछ विधायक क्रॉस वोटिंग कर ले। चुनाव में पैसों का खेल चलने की आशंका भी है। हालांकि इसके चलते डर सभी दलों में है।

46 साल बाद 14 जुलाई को खुलेगा जगन्नाथ मंदिर का खजाना भंडार

पुरी (एजेंसी)। पुरी के प्रसिद्ध जगन्नाथ मंदिर का खजाना भंडार जहां मंदिर के बहुमूल्य रत्न रखे गए हैं, वे 46 साल बाद ओडिशा सरकार ने 14 जुलाई को खोलने का ऐलान किया है। हाई लेवल कमेटी मंदिर के अंदर रखे गए खजाने की जांच कर बहुमूल्य रत्नों की लिस्ट बनाकर ओडिशा सरकार को देगी। इस समिति के अध्यक्ष न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) बिस्वनाथ रथ ने अन्य सदस्यों के साथ बैठक में यह बात कही। उन्होंने बताया कि आंतरिक रत्न भंडार खोलने का सर्वसम्मति से फैसला हुआ। जिसकी तैयारी हो चुकी है।

मंदिर के रत्न भंडार में 12वीं शताब्दी के बहुमूल्य आभूषण हैं। जो लंबे समय से भक्तों और राजाओं द्वारा भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा को भेंट किए गए। यह रत्न भंडार मंदिर के काफी अंदर स्थित है। इसमें दो कमरे हैं आंतरिक और बाहरी कक्ष।

जब जगन्नाथ जी और उनके भाई-बहन के सुंदर स्वरूपों को स्वर्ण पोशाक पहनानी होती है, तब बाहरी कक्ष खोला जाता है। प्रत्येक वर्ष जगन्नाथ यात्रा के दौरान यह एक प्रमुख अनुष्ठान होता है। केवल प्रमुख त्यौहारों के दौरान ही कक्ष के द्वार खुलते हैं। 2024 से पहले 1978 में रत्न भंडार में जमा खजाने की सूची तैयार की गई थी, लेकिन जब 1985 में फिर से खोला गया तब कोई नई सूची नहीं बनाई गई थी।

12वीं सदी के नियमों के मुताबिक जगन्नाथ मंदिर के रत्न भंडार को खोलने के लिए राज्य सरकार की मंजूरी चाहिए है। इसका प्रस्ताव मंदिर प्रबंध समिति के द्वारा आता है। हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बीजेपी ने बड़ा मुद्दा बनाकर रत्न भंडार खोलने का वादा किया था। राज्य में सरकार बनते ही बीजेपी ने अपने वादे को पूरा करने का काम किया। हाई लेवल कमेटी मंदिर के अध्यक्ष रथ ने कहा कि श्री जगन्नाथ मंदिर प्रशासन के मुख्य प्रशासक को रत्न भंडार की डुप्लीकेट चाबी देने को कहा गया था लेकिन उन्होंने नहीं दी। मंदिर प्रशासन हाल ही में हुई जगन्नाथ रथ यात्रा के आयोजन में व्यस्त था। अब 14 जुलाई को समिति को चाबी जमा करने के लिए कहा गया है। ये भी निर्णय हुआ है कि अगर डुप्लीकेट चाबी काम न कर सकी, तब ताला तोड़कर रत्न भंडार के द्वार खोले जाएंगे। आभूषणों की लिस्ट बनाने और रत्न भंडार की मरम्मत के लिए आवश्यक एसओपी पर भी चर्चा हुई है।

अफगानिस्तान में क्रिकेट की जीत के जश्न मनाने पर आईएस आतंकी हुए आगबबूला

काबुल। अफगानिस्तान में तालिबान सरकार के खिलाफ लगातार हमले कर रहे इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत आतंकी संगठन के आतंकी क्रिकेट की जीत पर देश में जश्न मनाने पर बौखला गए हैं। आईएसकेपी से जुड़े अल अजीम मीडिया ने एक 19 मिनट का प्रोपैगंडा वीडियो जारी किया है। अल अजीम ने दावा किया कि क्रिकेट मुस्लिमों के खिलाफ पश्चिमी देशों का एक बौद्धिक युद्ध है जिसे पश्चिमी देशों ने शुरू किया है। आईएसकेपी से जुड़े संगठन ने दलील दी कि क्रिकेट देश के मुस्लिमों में राष्ट्रवाद और देशभक्ति की भावना को मजबूत करता है जो इस्लाम के जिहाद के एजेंडे के खिलाफ है। अज अजीम ने तालिबान की भी जमकर आलोचना की। अल अजीम ने कहा कि तालिबान सरकार अफगान क्रिकेट टीम को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने खासतौर तालिबानी विदेश मंत्री मुत्तकी के क्रिकेटर राशिद खान को फोन करने की आलोचना की। आईएसकेपी के आतंकियों ने पाकिस्तान के क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान का हवाला दिया। उसने दलील दी कि पश्चिमी देश कुछ चेहरों को बढ़ावा देते हैं, फिर उन्हें राजनीति में ला देते हैं। इस वीडियो में निष्कर्ष के तौर पर मुस्लिम युवकों से अपील की गई है कि वे क्रिकेट या मनोरंजन के किसी रूप में शामिल होने की बजाय आईएस में शामिल हों।

पीओके और खैबर पख्तूनख्वा के लोगों को धमका रहे पाकिस्तान के मेजर जनरल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा और पाक अधिकृत कश्मीर के अनेक इलाकों में आजादी की जंग तेज होती जा रही है। यहां तक कि स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानी सेना के डायरेक्ट ऑपरेशन में भी आजादी संगठनों का साथ देना शुरू कर दिया है। स्थानीय लोगों ने पाकिस्तानी सेना के ऑपरेशन में जा रहे काफिले पर भी कायरीन करनी शुरू कर दी है। वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि मेजर जनरल काशिफ खलील स्थानीय लोगों को धमकी दे रहे हैं कि अब यदि ऐसा फिर हुआ तो वे स्थानीय लोगों को भी नहीं बख्शेंगे और उनकी फौज स्थानीय लोगों को भी मुंह तोड़ जवाब देगी। इस वीडियो में मेजर जनरल कह रहे हैं कि भले ही उन्हें स्थानीय समर्थन मिले या ना मिले लेकिन वह कथित आतंकवादियों के खिलाफ अपना अभियान जारी रखेंगे और जो लोग उनके साथ देंगे अब उनका भी पीछा किया जाएगा। स्थानीय लोगों के खुले विरोध को देखते हुए पाकिस्तानी सेना के मेजर जनरल काशिफ खलील ने दो दिन पहले डायमेर इलाके में स्थानीय लोगों की बैठक बुलाई और इस बैठक में साफ तौर पर कहा कि स्थानीय लोग उनके साथ नहीं दे रहे हैं। यहां तक कि पाकिस्तानी सेना के जो काफिले आतंकवादियों के खिलाफ कार्रवाई करने जा रहे हैं उन पर भी जगह-जगह स्थानीय लोगों द्वारा गोली चलाई जा रही है। इससे जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है।पाकिस्तान का यह वरिष्ठ अधिकारी इस वीडियो में साफ तौर पर स्थानीय लोगों को धमकाता नजर आ रहा है। यहां मेजर जनरल काशिफ खलील कह रहे हैं कि रिश्तेदारी वहां चलती है जब तक उनका लड़का आतंकवादी संगठन में शामिल नहीं हो जाता। आतंकवादी संगठन में शामिल होने के बाद कोई रिश्तेदारी नहीं चलती। पाकिस्तानी सेना का दावा है कि उसने पिछले 6 महीने के दौरान खैबर पख्तूनख्वा में 560 टारगेट ऑपरेशन किए हैं। इस दौरान 279 आतंकवादियों को मार गिराया है।

खान यूनिस स्कूल पर इजरायली हमला, 25 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा । दक्षिणी गाजा पट्टी के खान यूनिस शहर में एक स्कूल पर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 25 फिलिस्तीनी मारे गए और कुछ अन्य घायल हो गए। दरअसल स्कूल के कैंपस में टेंट लगाकर कुछ लोग रह रहे थे जब इजरायल ने हमला किया। सुरक्षा सूत्रों ने यहां की एक समाचार एजेंसी को बताया कि इजरायली विमानों ने मिसाइलें से अल-अवदा स्कूल के गेट को निशाना बनाया। खान यूनिस के पूर्व में अबासन अल-कबीरा शहर में सैकड़ों विस्थापित लोग रह रहे हैं। एजेंसी ने बताया कि फिलिस्तीनी कार्यकर्ताओं द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर साझा किए गए वीडियो में दर्जनों शव खून से लथपथ जमीन पर पड़े हुए दिखाई दे रहे हैं। चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि इजरायली हवाई हमले में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 25 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। सूत्रों ने समाचार एजेंसी को बताया कि क्षेत्र में विस्थापित लोगों की अधिक भीड़ के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ने की संभावना है। इस घटना के बारे में इजरायली सेना की ओर से तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई है। यह हमला पिछले चार दिनों में गाजा में शेल्टर के रूप में इस्तेमाल किए जा रहे स्कूल भवन पर किया गया चौथा इजरायली हमला है और यह हमला ऐसे समय में हुआ है जब इजरायल ने खान यूनिस और गाजा शहर के कुछ हिस्सों को खाली करने के नए आदेश जारी किए हैं। इसके कारण हजारों लोगों को यहां से पलायन करने पर मजबूर होना पड़ा है और तीन प्रमुख अस्पतालों को बंद करना पड़ा है।

यूएनएचसीआर ने पाकिस्तान में अफगानों के लिए दीर्घकालिक समाधान की दिशा में अधिक प्रयास करने का आह्वान किया

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायुक्त (यूएनएचसीआर) फिलिपो ग्रांडी ने पाकिस्तान में अफगान शरणार्थियों के लिए दीर्घकालिक समाधान की दिशा में प्रयासों को बढ़ावा देने का आह्वान किया है। यूएनएचसीआर ने मंगलवार को एक बयान में कहा है कि उन्होंने समाधान और जिम्मेदारी साझा करने की दिशा में सहायता मॉडल को तत्काल रीसेट करने का आह्वान किया। इसमें एक ऐसा दृष्टिकोण विकसित करना है, जिसके माध्यम से नई साझेदारी को बढ़ावा मिल सके। अधिकारी ने कहा, 'हमें समाधानों में तेजी लाने और पाकिस्तान में अफगान लोगों के लिए एक बड़ा, व्यापक दृष्टिकोण रखने के लिए इस अवसर का लाभ उठाने की जरूरत है।' उच्चायुक्त ने इस वर्ष के अंत में एक संवाद की दिशा में काम करने की पेशकश की, जो सरकारी प्रतिनिधियों, विकास नेताओं और निजी क्षेत्र सहित प्रमुख हितधारकों को एक साथ लाएगा ताकि समाधानों का एक पैकेज विकसित किया जा सके जिससे पाकिस्तान में रहने वाली अफगान आबादी और मेजबान देश दोनों को लाभ होगा।

ईरान ने उत्तर पश्चिम सीमा पर 'आतंकवादी टीम' को नष्ट किया

तेहरान। ईरान की इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) की सेनाओं ने देश की उत्तर-पश्चिमी सीमाओं पर एक आतंकवादी टीम को नष्ट कर दिया है। यह जानकारी आधिकारिक समाचार एजेंसी आईआरएनए ने मंगलवार को दी। आईआरएनए ने बेस के एक बयान के हवाले से कहा कि 'काउंटर-क्रांतिकारी आतंकवादी टीम' के सदस्यों ने उत्तर-पश्चिमी सीमाओं के माध्यम से ईरान में प्रवेश करने की कोशिश की, लेकिन मंगलवार तड़के पश्चिम अजरबैजान प्रांत में आईआरजीसी बलों के हमजेह सैयद अल-शोहदा बेस की सेनाओं ने घात लगाकर हमला कर दिया। बयान में कहा गया कि आईआरजीसी बलों के साथ हुए सशस्त्र संघर्ष में कई आतंकवादी मारे गए और घायल हुए और उनके उपकरणों को जब्त कर लिया गया। आईआरजीसी बेस ने चेतावनी दिया कि ईरान की सुरक्षा और क्षेत्रीय अखंडता के खिलाफ किसी भी कार्रवाई का निर्णायक और दृढ़ जवाब दिया जाएगा। ईरान के पश्चिम अजरबैजान प्रांत की सीमा इराक और तुर्की के साथ लगती है।

इंडोनेशिया में भूस्खलन में फंसे लोगों की तलाश तेजस

पालू (इंडोनेशिया)। इंडोनेशिया के सुलावेसी द्वीप पर सोने की एक अवैध खान में हुए भीषण भूस्खलन में फंसे लोगों की तलाश के लिए अभियान बुधवार को तेज कर दिया गया तथा मलबे में दबे लोगों की खोज के लिए और बचावकर्मियों को तैनात किया गया। इस हादसे में 23 लोगों की मौत हो चुकी है। गोरोंतालो प्रांत में दूरस्थ और पर्वतीय गांव बोन बोलांगो में रविवार को 100 से अधिक ग्रामीण सोने के लिए खुदाई कर रहे थे, तभी आसपास के पर्वतों से कई टन मिट्टी गिरी, जिससे उनके अस्थायी शिविर दब गए। प्रांतीय खोज व बचाव कार्यालय ने बुधवार को बताया कि 81 ग्रामीण भूस्खलन से बचने में कामयाब रहे। इनमें से कई को बचावकर्मियों ने निकाला जिनमें से 18 लोग घायल हैं। उसने बताया कि चार वर्षीय लड़के समेत 23 शव बरामद किए गए हैं जबकि 33 अन्य लापता हैं। राष्ट्रीय खोज व बचाव एजेंसी के ऑपरेशन निदेशक एडी प्राकोसो ने बताया कि सैन्यकर्मियों समेत 1,000 से अधिक कर्मियों को तलाश अभियान में तैनात किया गया है।

ऑस्ट्रिया में एक स्पोर्टस टीम के समर्थक तस्वीर के लिए पोज देते हुए।

पाकिस्तान में घुसेगी भारतीय सेना, टारगेट पर जैश का हेडक्वार्टर!

पाकिस्तान कैसा देश है जो बातों से नहीं मानता और उसका एक ही इलाज है घर में घुसकर पिटाई। इसका तरीका भी एक ही है है सर्जिकल स्ट्राइक जो पाकिस्तान पहले भी झेल चुका है। पाकिस्तान के पाले आतंकियों ने जम्मू कश्मीर में एक बार फिर से दहशत फैलाने की कोशिश की है। कठुआ आतंकी हमले में सेवा के पांच जवान शहीद हो गए हैं। ऐसा टंकी हमले के बाद कुछ सबूत हाथ लगे हैं जिससे पता चलता है कि कैसे जीना पाकिस्तान के इशारे पर जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमला हुआ। आतंकियों ने हमले के लिये दशकों पुराना रास्ता अपनाया। सुरक्षा बलों पर हमला भारत में कभी बर्दाश्त नहीं किया है। साल 2016 में उरी आतंकवादी हमला हुआ जिसके जवाब में भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक की। साल 2019 में पुलवामा में आतंकवादी हमला हुआ जिसके जवाब में बालाकोट एयर स्ट्राइक हुई। अब कठुआ में आतंकी हमला हुआ है। ऐसे में चर्चा तेज हो चली है कि क्या पाकिस्तान में फिर से सर्जिकल स्ट्राइक 3.0 होने वाला है?

जैश के हेडक्वार्टर पर स्ट्राइक 3.0

रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने ने कहा कि कठुआ हमले में पांच जवानों की मौत का बदला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत इसके पीछे छिपी बुरी ताकतों को परास्त करेगा। हमले के बाद कड़ा संदेश देते हुए रक्षा सचिव ने कहा कि देश इन जवानों के बलिदान को हमेशा याद रखेगा और उनका बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा. कठुआ की कायराना हरकत पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भड़के और कहा कि आतंकियों के खिलाफ सेना का ऑपरेशन रुकने वाला नहीं है। यह किसी से छिपा नहीं है कि इन आतंकी संगठनों को पड़ोसी देश पाकिस्तान से किस तरह समर्थन मिलता है। 2019 में भारत ने ऐसे ही हमले (पुलवामा हमले) के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक के जरिए पाकिस्तान को सबक सिखाया था।

एक बार फिर दिखी रूस और भारत की पक्की दोस्ती, 9 समझौते बने गवाह

मॉस्को (एजेंसी)। भारत और रूस के बीच 9 समझौते हुए हैं। ये सिर्फ समझौते नहीं हैं बल्कि दोनों देशों की दोस्ती के पक्के गवाह हैं। दोनों देशों ने आपसी व्यापार को साल 2030 तक 100 अरब डॉलर से अधिक पहुंचाने का लक्ष्य रखा। अमेरिकी ऐतराज के बावजूद दुनिया के पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मजबूत दोस्ती देखी। पीएम मोदी ने पुतिन से चर्चा के दौरान कहा कि हम दोनों देश पिछले 21 साल से ऐसे ही मिल रहे हैं लेकिन, इस बार पूरी दुनिया इस मुलाकात के अलग-अलग अर्थ निकाल रही है। पीएम मोदी ने यूक्रेन मसले पर शांति की सलाह भी दी, जिसे पुतिन ने गंभीरता से लिया। पीएम नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय हाई प्रोफाइल रूस यात्रा ने समझौतों के साथ पूरी हुई। जिसमें व्यापार, राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके व्यापार निपटान, उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसे नए मार्गों के जरिए माल परिवहन कारोबार में वृद्धि शामिल हैं।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मॉस्को में 22वीं वार्षिक द्विपक्षीय शिखर बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों पक्षों ने विशेष और विशेषाधिकार-प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत और रूस ने आपसी व्यापार को 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक पहुंचाने पर सहमति जताई। यह लक्ष्य निवेश को बढ़ावा देकर, आपसी व्यापार के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग और जर्जा से लेकर कृषि एवं बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर हासिल किया जाएगा। दोनों पक्षों ने रूस-भारत व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देकर द्विपक्षीय बातचीत को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की बात भी कही। जब पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आपस में मीटिंग कर रहे थे तो अमेरिका समेत तमाम पश्चिम देश टेढ़ी आंखों से नजरें गड़ाए हुए थे। पहले अमेरिका और फिर यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेस्की का ऐतराज सामने आया। अमेरिका ने चेतावनी दी कि अगर कोई देश रूस से मिलता है तो उसे यूक्रेन की क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना होगा। वहीं, जेलेस्की मोदी और पुतिन की गर्मजोशी मुलाकात पर भड़के हुए नजर आए। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र वाले देश के प्रमुख का हत्यारे को गले लगाना उसे चोट पहुंचाता है। दोनों देशों ने सहयोग के नौ प्रमुख क्षेत्रों पर सहमति व्यक्त की। इनमें व्यापार, राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके व्यापार निपटान, उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसे नए मार्गों के जरिए माल परिवहन कारोबार में वृद्धि शामिल है। सहयोग के अन्य क्षेत्रों में कृषि उत्पादों, खाद्य और उर्वरक व्यापार में वृद्धि, परमाणु ऊर्जा सहित ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए बातचीत को मजबूत करना, डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेश और संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देना, दवाओं की आपूर्ति में सहयोग और मानवीय सहयोग को प्रोत्साहन शामिल है।

2030 तक 100 अरब डॉलर का लक्ष्य

दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार से संबंधित गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं को खत्म करने और ईएईयू-भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की स्थापना की संभावना सहित द्विपक्षीय व्यापार के उदारीकरण के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई। दोनों देशों की इस पहल का मकसद वर्ष 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के आपसी व्यापार का लक्ष्य हासिल करना है। इसमें संतुलित द्विपक्षीय व्यापार के लिए भारत से वस्तुओं की आपूर्ति में वृद्धि शामिल है। इसके साथ ही निवेश गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने पर सहमति जताई गई। संयुक्त बयान में भारत और रूस ने राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके द्विपक्षीय निपटान प्रणाली के विकास पर सहमति जताई। इसका मतलब है कि भारत रूस से कच्चे तेल जैसी किसी भी खरीद का भुगतान संभावित रूप से भारतीय रुपये में करेगा। इसके बदले में रूस भारतीय मुद्रा का उपयोग भारत से आयात के भुगतान के लिए कर सकता है। इसी तरह रूसी मुद्रा रूबल का उपयोग भी संभव है। दोनों नेताओं ने उत्तर-दक्षिण अंतरराष्ट्रीय परिवहन गलियारे, उत्तरी समुद्री मार्ग और चेन्नई-व्लादिवोस्तोक समुद्री रेखा के नए मार्गों की शुरुआत करने पर भी सहमति जताई। बयान के मुताबिक माल की बाधा-मुक्त आवाजाही के लिए डिजिटल प्रणालियों के इस्तेमाल से सीमा शुल्क प्रक्रियाओं को बेहतर बनाने पर भी सहमति व्यक्त की गई।

कृषि, परमाणु ऊर्जा पेट्रोकेमिकल्स में सहयोग

दोनों देश कृषि उत्पादों, खाद्य और उर्वरकों में द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा बढ़ाने के साथ ही पशु चिकित्सा, स्वच्छता और कृषि उत्पादों में कीटनाशकों की मौजूदगी से जुड़ी पाबंदियों को हटाने के लिए बातचीत करने पर भी सहमत हुए। बयान में कहा गया, समझौते के तहत परमाणु ऊर्जा, तेल शोधन और पेट्रोकेमिकल्स सहित प्रमुख ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग को बढ़ावा देने और ऊर्जा बुनियादी ढांचे, प्रौद्योगिकियों और उपकरणों के क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने की बात भी शामिल है। दोनों पक्षों ने बुनियादी ढांचे के विकास, परिवहन इंजीनियरिंग, वाहन उत्पादन और जहाज निर्माण, अंतरिक्ष और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में बातचीत को आगे बढ़ाने पर भी सहमति जताई।

भारत अमेरिका का रणनीतिक साझेदार रहेगा : पेंटागन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका भारत को रणनीतिक साझेदार के रूप में देखना जारी रखेगा और उसके साथ ठोस बातचीत करेगा। अमेरिकी रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन का यह बयान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ऐतिहासिक रूस यात्रा की पृष्ठभूमि में आया है, जिससे लेकर राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने अपनी चिंताएं जाहिर की हैं।

पेंटागन के प्रेस सचिव मेजर जनरल पैट राइडर ने वाशिंगटन में संवाददाताओं से बातचीत में कहा, 'भारत और रूस के बीच काफी लंबे समय से रिश्ते हैं। अमेरिका के नजरिये से, भारत एक रणनीतिक साझेदार है, जिसके साथ हम रूस से उसके रिश्तों को लेकर पूर्ण और स्पष्ट बातचीत करना जारी रख रहे हैं। चूंकि, यह इस हफ्ते होने वाले नाटो शिखर सम्मेलन से संबंधित है, इसलिए निश्चित रूप से, आपकी तरह ही दुनिया का ध्यान भी इस पर केंद्रित है।'

मोदी के रूस दौरे से जुड़े एक सवाल के जवाब में राइडर ने कहा, 'लेकिन मुझे नहीं लगता कि अगर (रूस के) राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन इस यात्रा को कुछ ऐसे पेज करें, जिससे किसी तरह यह दिखाया जा सके कि वह बाकी दुनिया से अलग-थलग नहीं हैं, तो कोई भी आश्चर्यचकित होगा। सच तो यह है कि राष्ट्रपति पुतिन के युद्ध का विकल्प चुनने से रूस बाकी दुनिया से अलग-थलग हो गया है और उसे इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है।'

राइडर ने कहा, 'उन्हें आक्रामकता की बड़ी कीमत चुकानी पड़ी है और तथ्य इस बात की गवाही देते हैं। इसलिए, हम भारत को रणनीतिक साझेदार के तौर पर देखना जारी रखेंगे। हम उनके साथ ठोस बातचीत करना जारी रखेंगे।'

एक संवाददाता ने कहा कि पुतिन उतने अलग-थलग नहीं दिख रहे हैं, क्योंकि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रमुख अभी मॉस्को में है और उनसे गर्मजोशी से मिल रहा है। इस पर राइडर ने कहा, 'मैं इस बात का भी उल्लेख करना चाहूंगा कि प्रधानमंत्री ने हाल ही में यूक्रेन के राष्ट्रपति से भी मुलाकात की थी और उन्हें आश्वस्त किया था कि भारत यूक्रेन युद्ध के शांतिपूर्ण समाधान का समर्थन करने के लिए वह सब कुछ करना जारी रखेगा, जो उसके बस में है।' पेंटागन के प्रेस सचिव ने कहा, 'मुझे लगता है कि हमें यकीन है कि भारत यूक्रेन में स्थायी और न्यायसंगत शांति कायम करने के प्रयासों का समर्थन करेगा और पुतिन को संयुक्त राष्ट्र चार्टर तथा संप्रभुता एवं क्षेत्रीय अखंडता के सिद्धांतों का पालन करने के महत्व से अवगत कराएगा।'

जिनपिंग के खिलाफ शुरू हो गया जेपी आंदोलन, भारत के दोस्तों से पंगा लेना चीन को पड़ेगा महंगा

बीजिंग (एजेंसी)। जिनपिंग के खिलाफ उसके दो पड़ोसियों ने फाइटर जेट और टैंक तैनात करने का प्लान बनाया है। यह दोनों देश जापान और फिलिपींस जिनके साथ चीनी सेना की अक्सर झड़प होती रहती है। इन दोनों ने मिलकर आप चीन को सबक सिखाने का फैसला कर लिया है। आपको याद होगा कुछ समय पहले ही भारत ने फिलिपींस को ब्रह्मोस मिसाइल दी थी। उसके बाद अब चीन के खिलाफ दूसरा सबसे बड़ा फैसला हुआ है।

चीन के खिलाफ का जेपी आंदोलन

चीन के खिलाफ जे (जापान) और पी (फिलीपींस) मिलकर एक बड़ा एक्शन प्लान बना रहे हैं। दरअसल, जापान और फिलीपींस ने मिलकर ऐतिहासिक डिफेंस डील की है। ये खबर सुनते ही सबसे बड़ा झटका चीन कक लगा है। नए समझौते के मुताबिक जापान और फिलिपींस की सेना एक दूसरे की जमीन का इस्तेमाल कर सकेंगी। मतलब कि अगर जरुरत हुई तो जापान की सेना फिलिपींस में तैनात हो पाएगी। अगर युद्ध के हालात बने तो दोनों देश एक दूसरे के मिलिट्री बेस पर लड़ाकू विमान और टैंक की तैनाती कर बचाव और हमला कर पाएंगे। इसका सीधा मतलब है कि आप फिलिपींस के करीब चीन के दादागिरी का द एंड होने वाला है।

दक्षिण चीन सागर में चीन की दादागिरी

फिलीपीन सेना द्वारा जारी एक नीडियो में दक्षिण चीन सागर के विवादित जल क्षेत्र में चीनी और फिलिपिनो नौकाओं को भिड़ते हुए दिखाया गया है। फिलीपींस ने चीनी जहाजों पर फिलीपींस की नौकाओं को टक्कर मारने, फिर उनमें सवार होने और हथियार जब्त करने का आरोप लगाया है। देश के शीर्ष सैन्य कमांडर जनरल रोमियो ब्राउनर ने कहा कि चीनी तट रक्षक कर्मी तलवार, भाले और चाकू से लैस थे। दोनों पक्ष विवादित चट्टानों और आउटक्रॉप्स पर अपने दावों को लागू करने की कोशिश कर रहे हैं।

इजरायल के खिलाफ कुछ बड़ा करने में जुटा ईरान

-सैटेलाइट तस्वीरों में खुलासा

तेहरान (एजेंसी)। फिलिस्तीन में इजरायली सेना के तावड़तोड़ हमले के बीच ईरान कई बार इजरायल को धमकी देता रहा है? लेकिन अब खुफिया सैटेलाइट से ली गई ईरान की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं, इसके बाद शक हो रहा है कि ईरान कोई बड़ी तैयारी तो नहीं कर रहा। ये तस्वीरें ईरान की राजधानी तेहरान से सटे मोडारेस और खोजिर इलाके की हैं, जहां दो बड़े कारखानों में खूब हलचल दिख रही है। इन सैटेलाइट तस्वीरों को लेकर अमेरिका की भी नजर टेढ़ी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक, इन कारखानों में बैलेस्टिक मिसाइलें और ड्रोन बनाए जाते हैं और हाल के कुछ महीनों में ये काफी बड़े हुए हैं। इसमें यह भी दावा किया गया है कि यहां बनने वाली मिसाइलें रूस के अलावा हिजबुल्लाह को दी जा रही हैं, जबकि ड्रोन हूति विद्रोहियों को सप्लाई हो रहे है। इस रिपोर्ट में दो अमेरिकी शोधकर्ताओं के हवाले से कहा गया है कि ये सैटेलाइट तस्वीरें वहां मिसाइल

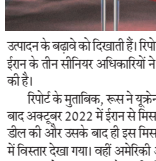

उत्पादन के बढ़ावे को दिखाती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के तीन सीनियर अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस ने यूक्रेन युद्ध छिड़ने के बाद अक्टूबर 2022 में ईरान से मिसाइल सप्लाई के डील की और उसके बाद ही इस मिसाइल कारखानों में विस्तार देखा गया। वहीं अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, तेहरान यमन के हूती विद्रोहियों और लेबनानी मिलिशिया हिजबुल्लाह को भी मिसाइलें देता है। ये दोनों ही इजरायल के खिलाफ ईरान के सपोर्ट वाले प्रतिरोध की धुरी (एक्सिस ऑफ रेजिस्टेंस) के सदस्य हैं। मार्च में मोदरेस आर्मी बेस और अप्रैल में खोजिर मिसाइल फैसिलिटी की ली गई तस्वीरों में दोनों जगहों पर 30 से ज्यादा नई इमारतें दिखाई दे रही हैं। ये दोनों ही तेहरान के पास स्थित हैं।

एक्सपर्ट का कहना है कि ईरान का शस्त्रागार पहले से ही मध्य पूर्व में सबसे बड़ा है। ऐसा माना जाता है कि इसमें 3,000 से ज्यादा मिसाइलें हैं, जिसमें पारंपरिक और परमाणु हथियार ले जाने के लिए डिज़ाइन किए गए मॉडल भी शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार ईरानी अधिकारियों ने कंफर्म किया कि पारंपरिक बैलिस्टिक मिसाइलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए मोडारेस और खोजिर में इन कारखानों का विस्तार किया जा रहा है। यहां कुछ नई इमारतों का इस्तेमाल ड्रोन बनाने के लिए किए जाने हैं और इससे ईरान का ड्रोन उत्पादन दोगुना हो सकता है। सूत्र ने बताया कि ये ड्रोन इजरायल पर लगातार हमले कर रहे हूति विद्रोहियों और मिसाइलें हिजबुल्लाह को दी जाएंगी।

गुहार लगाती सरकार: पाकिस्तान में आतंकी अब सैनिकों का कर रहे अपहरण

पेशावर (एजेंसी)। पाकिस्तान भारत समेत दुनिया के कई मुल्कों में आतंकी एक्सपोर्ट करता है। लेकिन अब वहां से एक ऐसी खबर सामने आई है, जो हैरान करने वाली है। आतंकिस्तान के नाम से मशहूर पाकिस्तान में आतंकी अब सैनिकों को अपहरण करने लगे हैं। बीते दिनों तीन सैनिकों को आतंकी उठा ले गए। उन्हें छुड़ाने के लिए सरकार आतंकियों से गुहार लगा रही है। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टांक जिले में पाकिस्तानी सैनिकों ने बाजार जाने के लिए एक कार कि?राये पर ली। उसमें सवार होकर पोस्ट से निकले ही थे। कोट आजम और कोट किला इलाके के बीच एक चौराहे पर हथियारबंद आतंकियों ने उन्हें रोक लिया। वे पहले से नाकेबंदी करके बैठे हुए थे। आतंकी इनमें से तीन सैनिकों को अगवा कर अपने साथ ले गए। इतना ही नहीं, उनके एटीएम कार्ड और पहचान पत्र कार चालक को सौंप दिए। कार चालक सामान्य नागरिक था। कार चालक ने बताया कि अपहरण के समय सैनिक छुट्टियों पर घर जा रहे थे। कार चालक ने सैनिकों का सामान कोर किला में एफसी प्राधिकारियों को सौंप दिया। इसके बाद सरकार उन सैनिकों को छुड़ाने की कोशिश कर रही है। सेना और सरकार की ओर से गुहार लगाई जा रही है।

बता दें कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के टांक जिले का है। यह इलाका पाकिस्तान के सबसे अशांत क्षेत्रों में से एक है। यहां आए दिन सेना पर हमले होते रहते हैं। लेकिन मंगलवार को तो गजब हो गया। पाकिस्तान में इस तरह का यह पहला मामला नहीं है। पिछले महीने टांक जिले में ही तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के आतंकवादियों ने कम से कम 13 मजदूरों को अगवा कर लिया था। पुलिस ने 9 मजदूरों को कुछ घंटों में छोड़ दिया, लेकिन चार मजदूर अभी भी उनके कब्जे में हैं। पुलिस ने बताया कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन टीटीपी ने तीन जुलाई को एक वीडियो जारी किया था, जिसमें चारों मजदूर पंजाब की मुख्यमंत्री मरयम नवाज से उनकी रिहाई सुनिश्चित कराने की अपील कर रहे हैं। वे अपनी जान को खतरा बता रहे हैं।

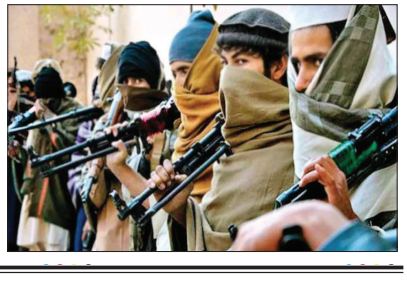

संपादकीय

दोषियों को दंड मिले

हाथरस भगदड़ मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने जिस तत्परता से अपनी रिपोर्ट सौंपी है और उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके आलोक में जिस त्वरित गति से एसडीएम समेत छह अफसरों के खिलाफ कार्रवाई की है, उसकी सराहना की जानी चाहिए। इस हादसे में 120 से अधिक मासूम लोगों को अपनी जान से हाथ धोना पड़ा था और उनके परिजनों को जीवन भर का दर्द मिल गया है। ऐसे में, हर तरफ से जिम्मेदारी तय किए जाने की मांग उठ रही थी और राज्य सरकार ने बिना देरी किए जांच दल गठित की थी। अब एक हफ्ते के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपकर एसआईटी ने इंसाफ की प्रक्रिया को गति दी है। अमूमन ऐसी रिपोर्ट तब आती हैं, जब संबंधित घटनाएं लोगों के जेहन से उतर चुकी होती हैं और ऐसे में उन रिपोर्टों पर क्या कार्रवाई हुई, यह लोगों को पता भी नहीं चल पाता और अवसर लीपा-पोती हो जाती है। मगर हाथरस हादसे की गहरी टीस अब भी लोगों के भीतर बनी हुई है। यही कारण है कि अब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंच गया है, जहां 12 जुलाई को इससे जुड़ी याचिका पर सुनवाई होगी। एसआईटी ने अपनी रिपोर्ट में आयोजकों को मुख्य रूप से जिम्मेदार ठहराया है और साफ-साफ कहा है कि उन्होंने प्रशासन को धोखे में रखकर इजाजत ली। स्थानीय प्रशासन से तथ्य छिपाए गए और इतनी विशाल भीड़ के प्रबंधन के लिए जरूरी इंतजाम नहीं किए गए थे। बल्कि बाबा नारायण साकार तक लोगों के पहुंचने की कोई व्यवस्था नहीं थी और जब भगदड़ मची, तो आयोजक घटनास्थल से फरार हो गए। ये तमाम बातें तो 2 जुलाई से ही कही जा रही हैं, मगर एसआईटी रिपोर्ट में जिस तरह से एसडीएम की लापरवाही का जिक्र किया गया है, उससे हमारे प्रशासनिक अमले में पैठ आई काहिली का ही उद्घाटन होता है। क्या एसडीएम को बाबा नारायण साकार के सत्संगों में उमड़ने वाली भीड़ का कोई अंदाजा नहीं था कि उन्होंने आयोजन स्थल का दौरा किए बगैर ही इसकी अनुमति दे डाली? उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों तक को सूचित नहीं किया। इसलिए उनके साथ-साथ अन्य संबंधित अधिकारियों का निलंबन बिल्कुल जायज है। सत्संग के आयोजकों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए, ताकि फिर कोई आयोजन जानलेवा न बन सके। विशेष जांच दल ने 'किसी बड़े षड्यंत्र' की आशंका को भी पूरी तरह खारिज नहीं किया है और इसकी गहन तफ्तीश की आवश्यकता पर बल दिया है। उम्मीद है, राज्य सरकार इसे गंभीरता से लेगी। मगर धर्मगुरुओं के लिए भी इस हादसे में एक बड़ी सीख है कि वे कहीं भी सत्संग के लिए जाएं, तो अपने तईं भी आयोजकों से इंतजामों के बारे में दरयाफ्त करें। आखिर श्रद्धालु उनके आकर्षण में जुटते हैं, इसलिए उनकी भी नैतिक जिम्मेदारी बनती है। भारत धर्मपरायण समाजों का देश है और यहां हरेक दिन हजारों जगहों पर छोटे-बड़े आयोजन होते रहते हैं। ऐसे में, बड़े आयोजनों के बारे में जो तय दिशा-निर्देश हैं, उनमें किसी किस्म की शिथिलता नहीं बरती जानी चाहिए। हमारे तंत्र को पेशेवराना तेवर की जरूरत है और यह तेवर तभी आएगा, जब निचले स्तर पर नियमित प्रशिक्षण और उच्च स्तर पर लापरवाह अधिकारियों को दंडित करने की व्यवस्था होगी। जाहिर है, प्रशासन यदि किसी के प्रभाव में आएगा, तो वह पेशेवर बन ही नहीं सकेगा। इसलिए इस मामले के दोषियों की सजा एक नजीर बननी चाहिए।

आज का राशीफल

मेष बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

वृषभ पारिवारिक व व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जारी प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। पिता या उच्चाधिकारी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृश्चिक आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। प्रियजन भेंट संभव।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जारी प्रयास सफल होंगे। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

कुम्भ व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। अनावश्यक कष्टों का सामना करना पड़ेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। नेत्र विकार की संभावना है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सृजनात्मक कार्यों में हिस्सा लेना पड़ सकता है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कार्यों में खर्च करना पड़ सकता है।

बढ़ती आबादी के बढ़ते खतरे

(लेखक- योगेश कुमार गोयल)

(विश्व जनसंख्या दिवस (11 जुलाई) पर विशेष)

जनसंख्या संबंधित समस्याओं पर वैश्विक चेतना जागृत करने के लिए प्रतिवर्ष 11 जुलाई को 'विश्व जनसंख्या दिवस' मनाया जाता है। भारत के संदर्भ में देखें तो तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ही हम सभी तक शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों को पहुंचाने में पिछड़ रहे हैं। बढ़ती आबादी की वजह से ही देश में बेरोजगारी की समस्या विकराल हो चुकी है। हालांकि विगत दशकों में विभिन्न योजनाओं के माध्यम से नए रोजगार जुटाने के कार्यक्रम चलाए गए लेकिन बढ़ती आबादी के कारण ये सभी कार्यक्रम 'ऊंट के मुंह में जीरा' ही साबित हुए। बढ़ती जनसंख्या के कारण ही देश में आबादी और संसाधनों के बीच असंतुलन बढ़ता जा रहा है। हकीकत यही है कि विगत दशकों में देश की जनसंख्या जिस गति से बढ़ी, उस गति से कोई भी सरकार जनता के लिए आवश्यक संसाधन जुटाने की व्यवस्था करने में सफल नहीं हो सकती थी। आज देश की बहुत बड़ी आबादी निम्न स्तर का जीवन जीने को विवश है। देश में करीब 40 फीसदी आबादी आजादी के बाद से ही गरीबी के आलम में जी रही है। गरीबी में जीवन गुजार रहे ऐसे बहुत से लोगों की यही सोच रही है कि उनके यहां जितने ज्यादा बच्चे होंगे, उतने ही ज्यादा कमाने वाले हाथ होंगे किन्तु यह सोच वास्तविकता के धरातल से परे है। लगातार बढ़ती महंगाई के जमाने में परिवार बड़ा होने से कमाने वाले हाथ ज्यादा होने पर जितनी आय बढ़ती है, उससे कहीं ज्यादा जरूरतें और विभिन्न उत्पादों की कीमतें बढ़ जाती हैं, जिनकी पूर्ति कर पाना सामर्थ्य से परे हो जाता है। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों की सफलता के लिए सर्वाधिक जरूरी यही है कि घोर निर्धनता में जी रहे ऐसे लोगों को परिवार नियोजन कार्यक्रमों के महत्व के बारे में जागरूक करने की ओर खास ध्यान दिया जाए क्योंकि जब तक इस कार्यक्रम में इन लोगों की भागीदारी नहीं होगी, तब तक लक्ष्य की प्राप्ति संभव नहीं है। देश में जनसंख्या वृद्धि का मुकाबला करने के लिए पिछले काफी समय से कुछ कड़े कानून बनाने की मांग हो रही है लेकिन इस दिशा में कुछ राज्य सरकारें दो से ज्यादा बच्चों वाले परिवारों को सरकारी नौकरी तथा स्थानीय निकाय चुनावों में उम्मीदवारी से अयोग्य अधोषित करने जैसे जिस तरह के उपायों पर विचार कर रही हैं, उन्हें किसी भी दृष्टि से तर्कसंगत नहीं माना जा सकता। हालांकि जनसंख्या वृद्धि मौजूदा समय में गंभीर चुनौती है लेकिन ऐसे उपायों को संवैधानिक नजरिये से भी तर्कसम्मत नहीं माना जाता। चीन में 1980 से पहले केवल एक बच्चा पैदा करने की अनुमति थी, जिसका उल्लंघन करने पर दम्पति को न केवल सरकारी योजनाओं से वंचित कर दिया जाता था बल्कि सजा भी दी जाती थी लेकिन वहां यह नीति सफल नहीं हुई। इसीलिए चीन सरकार ने 2016 में इस नीति में बदलाव कर दो बच्चों की अनुमति दी और बाद में तीन बच्चों की अनुमति देनी पड़ी। चीन की तानाशाही सरकार द्वारा नीतियों में बड़ा बदलाव करते हुए दम्पतियों को तीन बच्चे करने की अनुमति क्यों दी गई, इसके कारण समझना भी जरूरी है। दरअसल वहां लोगों की सामान्य प्रजनन दर में निरन्तर गिरावट आ रही है और विशेषज्ञों के मुताबिक यही स्थिति भारत में भी होनी है। जनसंख्या में स्थायित्व और कामकाजी युवाओं की स्थिर संख्या के लिए महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 2.1 होनी चाहिए और चीन में यह दर निरन्तर गिर रही है। 1970 में चीन में यह दर 5.8 थी, जो 2015 में घटकर 1.6 और 2020 में केवल 1.3 ही रह गई जबकि बुजुर्गों की आबादी लगातार बढ़ती गई। नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स (एनबीएस) के अनुसार आने वाले समय में आबादी में अधिक उम्र वालों की संख्या बढ़ने से संतुलित विकास और जनसंख्या को लेकर दबाव बढ़ेगा। 1982 में हुई जनगणना में चीन की जनसंख्या में 2.1 फीसदी की सबसे ज्यादा वृद्धि दर्ज की गई थी लेकिन उसके बाद जनसंख्या में लगातार गिरावट दर्ज की गई, जिसके लिए वहां की कम्युनिस्ट सरकार द्वारा अपनाई गई दशकों पुरानी 'वन चाइल्ड पॉलिसी' को जिम्मेदार माना जाता है। विगत एक दशक में चीन की जनसंख्या करीब सात करोड़ बढ़ी है लेकिन बुजुर्गों की संख्या बढ़ने से चीन के लिए अलग ही समस्या उत्पन्न होने लगी है। दरअसल चीन को आशंका है कि अगले दस वर्षों में उसकी जनसंख्या में गिरावट आएगी, जिससे कामगारों की संख्या में कमी आने से उसकी खपत भी घटेगी। एनबीएस के आंकड़ों के मुताबिक चीन को जिन जनसांख्यिकीय संकट का सामना करना पड़ा था, वह और गहरा होने की उम्मीद थी, इसीलिए चीन को अपनी जनसंख्या नीति में बदलाव करने पर विवश होना पड़ा। जहां तक भारत की बात है तो यहां 1994 में महिलाओं की सामान्य प्रजनन दर 3.4 थी, जो घटकर 2015 में 2.2 रह गई थी यानी सामान्य के करीब। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत की जनसंख्या 2050 तक बढ़ने के बाद से गिरनी शुरू हो जाएगी और 2100 तक पहुंचते-पहुंचते सामान्य प्रजनन दर केवल 1.3 ही रह जाएगी। इसका अर्थ है कि तब अधिकांश परिवारों में केवल एक ही बच्चा होगा और भारत उसी स्थिति में खड़ा होगा, जिसमें वन चाइल्ड पॉलिसी के बाद चीन खड़ा हुआ और उसे विगत सात वर्षों में दो बार अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा परिवर्तन करना पड़ा। इसलिए दू चाइल्ड पॉलिसी जैसे कानूनों के जरिये जनसंख्या नियत्रण की कोशिशों को व्यावहारिक नहीं माना जा रहा बल्कि इसके लिए डराने-धमकाने वाले कानूनों के बजाय लोगों में जागरूकता पैदा किया जाना सबसे जरूरी है। बगैर कड़े कानूनों के देश के ऐसे राज्यों में जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है, जहां साक्षरता दर ज्यादा है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार भारत में गरीब महिलाओं की प्रजनन दर करीब 3.2 है जबकि सम्पन्न महिलाओं में यह दर केवल 1.5 पाई गई है। इसी प्रकार अनपढ़ महिलाओं के औसतन 3.1 बच्चे होते हैं जबकि शिक्षित महिलाओं में यह संख्या औसतन 1.7 है। इसका स्पष्ट अर्थ है कि जनसंख्या विस्फोट का सीधा संबंध सामाजिक और शैक्षिक स्थितियों से जुड़ा है। शिक्षा के अभाव में ही देश की बड़ी आबादी को छोटे परिवार के लाभ को लेकर जागरूक नहीं किया जा सका है। (लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

रेल पथ की स्वच्छता का तैयार हो रोडमैप

पटरियों किनारे गंदगी

पंकज चतुर्वेदी

हाल ही में केरल हाईकोर्ट ने एक स्वत-संज्ञान मामले में कड़े शब्दों में कहा कि रेलवे थोक में कचरा पैदा कर रहा है क्योंकि पटरियों पर पाया जाने वाला अधिकांश कचरा ट्रेनों से आता है। न्यायालय ने कहा कि रेलवे का कर्तव्य है कि वह पटरियों के करीब कचरा फेंकना बंद करे। खास बात यह कि पटरियों पर फेंका गया कचरा जल निकायों में बह जाता है जिससे पर्यावरण को काफी नुकसान होता है। हालांकि स्टेशनों के पास कचरे का उचित प्रबंधन किया जाता है, लेकिन पटरियों के किनारे से कचरे को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए जाते हैं। न्यायालय ने कहा कि डंपिंग का एक कारण डिब्बों में पर्याप्त डस्टबिन नहीं होना है।

भारतीय रेल 66 हजार किलोमीटर से अधिक के रास्तों के साथ दुनिया का तीसरा सबसे वृहत् नेटवर्क है, जिसमें हरराेज बारह हजार से अधिक यात्री रेल और करीब सात हजार मालगाड़ियां 24 घंटे दौड़ती हैं। अनुमान है, इस नेटवर्क में हरराेज करीब दो करोड़ तीस लाख यात्री तथा एक अरब मीट्रिक टन सामान की ढुलाई होती है। विडंबना है, पूरे देश की रेल पटरियों के किनारे गंदगी, कूड़े और सिस्टम की उपेक्षा की तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। कई जगह तो प्लेटफार्म भी अतिक्रमण, अवांछित गतिविधियों और कूड़े का ढेर बने हैं।

देश की राजधानी दिल्ली से आगरा के रास्ते दक्षिणी राज्यों, सोनीपत-पानीपत के रास्ते पंजाब, गाजियाबाद की ओर से पूर्वी भारत, गुरुग्राम के रास्ते जयपुर की ओर जाने वाले किसी भी रेलवे ट्रैक को दिल्ली शहर के भीतर ही देख लें तो जाहिर हो जाएगा कि देश के असली कचरा-घर तो रेल पटरियों के किनारे ही संचालित हैं। सनद रहे, ये सभी रास्ते विदेशी पर्यटकों के लोकप्रिय रूट हैं और जब दिल्ली आने से 50 किलोमीटर पहले से ही पटरियों के दोनों तरफ कूड़े, गंदे पानी, बदबू का अम्बार दिखता है तो उनकी निगाह में देश की कैसी छवि बनती होगी। सराय रोहिल्ला स्टेशन से जयपुर जाने वाली ट्रेन लें या अमृतसर या चंडीगढ़ जाने वाली वंदे भारत, जिनमें बड़ी संख्या में एनआरआई भी होते हैं, गाड़ी की खिड़की से बाहर देखना पसंद नहीं करते। इन रास्तों पर रेलवे ट्रैक से सटी झुग्गियां, खुले में शौच जाते लोग उन विज्ञापनों को मुंह चिढ़ाते दिखते हैं जिनमें सरकार के स्वच्छता अभियान की उपलब्धियों के आंकड़े होते हैं।

असल में रेल पटरियों के किनारे की कई-कई एकड़ भूमि अवैध अतिक्रमणों की चपेट में है। इन पर राजनीतिक संरक्षण प्राप्त भूमाफिया का कब्जा है जो वहां रहने वाले गरीब मेहनतकश लोगों से वसूली करते हैं। इनमें से बड़ी संख्या में लोगों के जीविकोपार्जन का जरिया कूड़ा बीनना या कबाड़ी का काम करना ही है। ये पूरे शहर का कूड़ा जमा करते हैं, अपने काम का सामान निकाल कर बेच देते हैं और बकाया को पटरियों के किनारे ही फेंक देते हैं, जहां धीरे-धीरे गंदगी के पहाड़ बन जाते हैं। यह भी आगे चलकर नई झुग्गी का मैदान होता है। दिल्ली से फरीदाबाद रास्ते को ही लें, यह पूरा औद्योगिक क्षेत्र है। हर कारखाने वाले के लिए रेलवे की पटरी की तरफ का इलाका अपना कूड़ा, गंदा पानी आदि फेंकने का निःशुल्क स्थान होता है। वहीं इन कारखानों में काम करने वालों के आवास, नित्यकर्म का भी बेरोकटोक गलियारा रेल पटरियों की ओर ही खुलता है। कचरे का निपटान पूरे देश के लिए समस्या बनता जा रहा है। यह सरकार भी मानती है कि देश के कुल कूड़े के महज पांच प्रतिशत का ईमानदारी से निपटान हो पाता है। दिल्ली का तो 57 फीसदी कूड़ा परोक्ष-अपरोक्ष रूप से यमुना में बहा दिया जाता है या फिर पटरियों के किनारे फेंक दिया जाता है।

पटरियों के किनारे जमा कचरे में खुद रेलवे का भी बड़ा योगदान है। खासकर शताब्दी, वंदे भारत, राजधानी जैसी ग्रीमियम गाड़ियों में, जिसमें ग्राहक को अनिवार्य रूप से तीन से आठ बार तक भोजन परोसने होते हैं। इन दिनों पूरा भोजन पेवड और सिंगल यूज बर्तनों में ही होता है। हर रोज अपना मुकाम आने से पहले खानपान व्यवस्था वाले कर्मचारी बचा भोजन, बोतलें, पैकिंग सामग्री के बड़े-बड़े थप्पे चलती ट्रेन से पटरियों के किनारे फेंक देते हैं। यदि हर दिन एक रास्ते पर दस डिब्बों से ऐसा कचरा फेंका जाए तो जाहिर है कि एक साल में उस वीराने में प्लास्टिक जैसी नष्ट न होने वाली चीजों का अम्बार होगा। कागज, प्लास्टिक, धातु जैसा कूड़ा तो कचरा बीनने वाले जमा कर रिसाइक्लिंग वालों को बेच देते हैं। सब्जी के छिलके, खाने-पीने की चीजें, मरे हुए जानवर आदि कुछ समय में सड़-गल जाते हैं। इसके बावजूद ऐसा बहुत कुछ बच जाता है, जो हमारे लिए विकराल संकट का रूप लेता जा रहा है। उल्लेखनीय है, यही हाल इंदौर, पटना, बंगलूरु या गुवाहाटी या फिर इलाहबाद रेलवे ट्रैक के भी हैं। शहर आने से पहले गंदगी का अम्बार पूरे देश में एक समान ही है। राजधानी दिल्ली का ही या फिर दूरस्थ कस्बे का रेलवे प्लेटफार्म, निहायत गंदे, भीड़भरे, अव्यवस्थित व अवांछित लोगों से भरे होते हैं, जिनमें भिखारी, अवैध वेंडर और यात्री को छोड़ने आए रिश्तेदारों से लेकर भांति-भांति के लोग होते हैं। ऐसे लोग रेलवे की सफाई के सीमित संसाधनों को तहस-नहस कर देते हैं। कुछ साल पहले बजट में रेलवे स्टेशन विकास निगम के गठन की घोषणा की गई थी, जिसने रेलवे स्टेशन को हवाई अड्डे की तरह चमकाने के सपने दिखाए थे। कुछ स्टेशनों पर काम भी हुआ, लेकिन जिन पटरियों पर रेल दौड़ती है और जिन रास्तों से यात्री रेलवे व देश की सुंदर छवि देखने की कल्पना करता है, उसके उद्धार के लिए रेलवे के पास न तो कोई रोडमैप है और न ही परिकल्पना।

विचार मंथन

राजनेताओं के लिए बाबाओं का सच

(लेखक- सनत जैन)

राजनीति में राजनेताओं के लिए पाखंडी बाबा मजबूरी बन चुके हैं। राजनेताओं के नाम से भीड़ इकट्ठी नहीं होती है। राजनेता जो कहते हैं, उस पर आम जनता को विश्वास नहीं होता है। जिसके कारण पिछले तीन-चार दशकों में भारतीय जन समुदाय को नेताओं पर विश्वास नहीं रहा। फिल्म स्टार, पाखंडी बाबाओं, खिलाड़ी और करतब दिखाने वालों के पास भीड़ बड़ी संख्या में एकत्रित होती है। राम मंदिर आंदोलन के बाद हिंदुओं की बड़ी भीड़ साधु-संतों के आसपास एकत्रित होने लगी। जिसके कारण राजनेताओं ने भी इन फर्जी बाबाओं का सहारा लेना शुरू कर दिया। जब बड़े-बड़े राजनेता ऐसे पाखंडी बाबाओं के दरबार में जाकर हाजिरी लगाते हैं, उनके पैर पड़ते हैं। पाखंडी बाबाओं के सामने नतमस्तक हो जाते हैं। आम जनता के बीच में यही संदेश जाता है। बाबाजी में कुछ ना कुछ तो ऐसा है, तभी तो समाज और राजनीति के इतने बड़े-बड़े लोग उनके दर्शन करने पहुंच रहे हैं।

1990 के बाद से भारत की राजनीति में पाखंडी बाबाओं का रसूख बढ़ता चला गया। उसके बाद ही पाखंडी बाबाओं का भाग्य उदय हुआ। उनके बड़े-बड़े आश्रम बनने लगे। करोड़ों रुपए के उनके आश्रम तैयार होने लगे। बाबाओं के कहने पर उनके भक्त वोट भी देने लगे। जिसके कारण भारत की संपूर्ण राजनीति धर्म और पाखंडी बाबाओं के आस-पास से संचालित हो रही है। हाल ही में 123 लोग हाथरस में बाबा नारायण हरि साकार उर्फ भोले बाबा के सत्संग में मौत के शिकार हो गए। उत्तर प्रदेश की सरकार और वहां की पुलिस ने बाबा का नाम एफआईआर में नहीं आने दिया। उनके आश्रम के आयोजन के खिलाफ हरदोई में मुकदमा दर्ज कर लिया गया। 2 दिन के अंदर जांच हो गई, 900 पन्ने की रिपोर्ट आ गई। जिसमें बाबा को बरी कर दिया गया। 123 लोगों की मौत के बाद से बाबा फरार है। सरकार ने एसडीएम, थाना इंचार्ज और अन्य लोगों को निलंबित कर बाबा को बचाने की पुरजोर कोशिश की है। उत्तर प्रदेश की सरकार बाबा को क्यों बचना चाहती है। इसका सीधा-साधा जवाब है। बाबा के लाखों श्रद्धालु, अंधभक्त बाबा के एक इशारे पर राजनीतिक दल और राजनेता के पक्ष में मतदान करने समर्पित होते हैं। यह बात नेताजी जानते हैं। बाबा भी जानते हैं। राजनीति में अब सच का स्थान नहीं रहा। आम आदमी सपने में जीना चाहता है। फर्जी बाबा, बैरागी ईश्वर आराध्य के रूप में भक्तों को भरोसा दिलाते हैं। ईश्वर के आशीर्वाद से भक्तों के सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। जब इन बाबाओं के पास बड़े-बड़े राजनेता, बड़े-बड़े अधिकारी और पुलिस वाले नतमस्तक होते हैं। ऐसी स्थिति में भक्तों का विश्वास इन बाबाओं के प्रति और भी बढ़ जाता है। फर्जी बाबा अपने आश्रम में बड़े-बड़े नेताओं और अधिकारियों के फोटो लगाते हैं। वहीं राजनेता फर्जी बाबाओं के पास पहुंचकर बाबा के भक्तों को विश्वास दिलाता है। वह भी उनके गुरु भाई हैं। उनके बीच में ईश्वरीय रिश्ता बना हुआ है। जिसका लाभ नेताओं को राजनीति में मिलता है। इस स्थिति में किसकी हिम्मत है, जो किसी भी राजनेता के खिलाफ एक शब्द भी बोल सके। उनके खिलाफ कोई कार्रवाई कर सके। उत्तर प्रदेश सरकार पहले दिन से ही बाबा के प्रति उदार है। अपराध-न्याय प्रक्रिया में एक नया शब्द आयोजक जुड़ गया है। इसलिए आयोजकों के खिलाफ मुकदमा और कार्रवाई की जा रही है। भोले बाबा तो भक्तों की नजर में ईश्वर के अंश हैं। भगदड़ में जिनकी मृत्यु हुई है, भगवान ने उनकी उतनी ही उम्र लिखी थी। भगवान की लिखी हुई उम्र को भोले बाबा भी घटा और बढ़ा नहीं सकते हैं। जो मरे हैं, उनका मरना तय था। सत्संग में जो मरे हैं। निश्चित रूप से स्वर्ग में स्थान मिलेगा। बाबा के भक्तों का यह विश्वास आज भी है। राजनीति में सत्ता पक्ष हो, या विपक्ष हो। भक्तों के इस विश्वास को तोड़ना नहीं चाहते हैं। ना ही बाबा की नाराजी लेना चाहते हैं। ऐसी स्थिति में बाबाओं का जो पाखंड चल रहा है। वह आगे भी चलता रहेगा। भोले बाबा हैंड पंप के पानी से लोगों की बीमारी को ठीक करेंगे। उनके चरण रज को माथे पर लगाने से सभी दुख-दर्द दूर हो जाएंगे। परिवार में सुख-शांति और सहमति आ जाएगी। भक्तों की यह शक्ति पाखंडी बाबाओं को देवता बनाकर उनके भोग-विलास के लिए सारे भक्त जिम्मेदार हैं। जो इन बाबाओं को विशिष्ट बनाते हैं। वहीं राजनेता अपने चुनावी लाभ और राजनीति को चमकाने के लिए इन बाबाओं के सामने नतमस्तक होते हैं, इसके सिवा उनके पास कोई चारा भी नहीं है। हाथरस की घटना से यही साबित होता है। नारायण साकार हरि उर्फ भोले बाबा के पाप का घड़ा अभी भरा नहीं है। सो वह जेल जाने से बच गए हैं। जेल जाने के बाद भी बाबा राम रहीम की तरह सरकार की कृपा उनके ऊपर बनी रहेगी। यही बाबाओं का पुण्य है। इसे सभी को समझना होगा। कलयुग का यही सत्य है। तुलसीदास और वाल्मीकि रामायण में कलयुग का जो वर्णन है।

नदी पर बनाया जाता है बर्फ का होटल, दूर-दूर से ठहरने आते हैं पर्यटक!

दुनियाभर में कई तरह के घुमक्कड़ होते हैं जो तरह-तरह की जगह जाना पसंद करते हैं। इनमें से कुछ ऐसे भी होते हैं जिन्हें अजीबो-गरीब होटल देखना या वहां ठहरना भी पसंद होता है। अगर आप भी कुछ ऐसा ही शौक रखते हैं तो आज हम आपको एक ऐसे ही अजीबो-गरीब होटल के बारे में बताने जा रहे हैं जो पूरी दुनिया में अपनी खासियत के लिए मशहूर है।

कुछ अलग दिखने की सूची में स्वीडन में मौजूद आइस होटल शमिल है। ये अपने हटके प्रस्तुति के कारण पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है। काफी पुराना होने के बावजूद भी ये होटल अपने कलाकारी के लिए लोगों के बीच आकर्षित है। यहां हर साल कलाकार अलग-अलग कलाकारियां करते हैं। आइए आपको आइस होटल की अन्य खासियत के बारे में बताते हैं, जो आपको हैरान कर सकती हैं...

नदी पर बना हुआ होटल

स्वीडन के टॉर्न नदी के ऊपर आइस होटल बना हुआ है। ये होटल पूरी तरह से बर्फ का बना हुआ होता है। इसकी खासियत है कि ये पिघलकर नदी का रूप ले लेता है। तय समय तक ये आइस होटल रहता है और फिर हर साल इसे बनाया जाता है। हर साल ये अलग-अलग आकर और कलाकारियों के साथ बनाया जाता है। जिसे देखने के लिए लोग दूर-दूर से आते हैं। यहां ठहरने के लिए पर्यटकों को 1 साल पहले ही बुकिंग करनी होती है।

अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है होटल

जब तक मौसम ठंडा और बर्फदार रहता है तब तक ये होटल अपने ठोस आकार में नदी पर मौजूद रहता है। वहीं, तापमान गर्म होने पर ये पिघलकर पानी में बदल जाता है। इसे हर साल नए-नए डिजाइन में बनाया जाता है। यहां आकार दुनियाभर के कलाकार अपनी कलाकारियां दिखाते हैं।

काफी कम तापमान के होते हैं कमरे

सोलर पॉवर कूलिंग की मदद से होटल के कमरों को बनाया जाता है। यहां ज्यादातर लाइट्स या अन्य उपकरणों को सौर ऊर्जा से ही चलाया जाता है। ये होटल इकोफ्रेंडली होने के कारण लोगों के लिए पहली पसंद में से एक है। यहां के कमरों का तापमान काफी कम होता है। बर्फ की मोटी-मोटी परत को काटकर कमरा बनाया जाता है। गर्मी आने तक ये होटल बर्फ के तौर पर रहता है और फिर अप्रैल के बाद पिघलना शुरु हो जाता है।

बर्फ के सेरेमनी हॉल और रेस्त्रां भी मौजूद

साल 1992 में पहली बार ये होटल खोला गया था। यहां मौजूद रेस्त्रां, सेरेमनी हॉल और कॉम्प्लेक्स को बर्फ से ही बनाया जाता है। इतना ही नहीं, होटल के फर्नीचर, दीवार, बार समेत अन्य चीजों को भी बर्फ से ही बनाया जाता है। यहां एक से एक डिजाइनिंग वाले कमरे मौजूद हैं।

कम से कम खर्च में घूमने के लिए अपनाएं यह टिप्स, जेब पर नहीं पड़ेगा जोर

घूमना आखिरकार किसे अच्छा नहीं लगता। हर दिन के तनाव और रूटीन से ब्रेक लेते हुए नई जगहों को एक्सप्लोर करने का अपना एक अलग ही आनंद है। लेकिन फिर भी मध्यम वर्गीय परिवार चाहकर भी घूमने नहीं जा पाते और उसकी वजह होती है बजट। चार-पांच महीने में अगर एक बार भी घूमने का प्लॉन बनाया जाए तो इससे पूरा बजट बिगड़ जाता है और सेविंग भी काफी हद तक खर्च हो जाती है। हो सकता है कि आप भी पैसों के चक्कर में घूमने ना जा रहे हों। लेकिन आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बता रहे हैं, जिसे अपनाकर आप ट्रेवलिंग के दौरान पैसों की भी बचत कर सकते हैं-

प्लान करें ट्रिप

जब आप किसी नई जगह पर घूमने का विचार कर रहे हैं और चाहते हैं कि उसमें आपके काफी सारे पैसे खर्च ना हो तो इसके लिए आपको अपनी ट्रिप को प्लॉन करना चाहिए। आप जहां जा रहे हैं, इसके लोगों, संस्कृति, रीति-रिवाजों और भोजन आदि के बारे में थोड़ा-बहुत जानना आपको बहुत परेशानी से बचाएगा। इसके अलावा रिसर्च आपको उन महंगे शहरों के बारे में बताएगा जिनसे आप बचना चाहते हैं। रिसर्च के जरिए आप उस जगह की सस्ती जगहों व लोकल फूड के बारे में जान पाएंगे।

सोच-समझकर चुनें एयरलाइन

यदि आप अपनी यात्रा के लिए सही एयरलाइन नहीं चुनते हैं तो आपको फ्लाइंग पर अतिरिक्त पैसा खर्च करना पड़ सकता है।एक बजट एयरलाइन आपको कुछ पैसे बचा सकती है, इसलिए ट्रेवल के लिए आप सोच-समझकर एयरलाइन बुक करें। साथ ही अलग-अलग समय पर फ्लाइंग के चार्जेस अलग होते हैं, इसलिए उस पर भी फोकस जरूर करें।

ऑफ-सीजन में यात्रा करें

यह एक ऐसी ट्रिक है, जो ट्रेवल के दौरान आपके काफी सारे पैसे खर्च होने से बचा सकती है। पीक सीज़न के दौरान यात्रा करने से आपको अधिक पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं, इसलिए पीक सीज़न की यात्रा से बचना समझदारी है। एयरलाइंस, होटल और फूड प्राइस आदि छुट्टियों के दौरान और क्रिसमस, ईस्टर, ईद और दिवाली जैसे अवसरों पर बढ़ जाती हैं। ऐसे में आप ऑफ सीजन में घूमने का प्लॉन करें। इससे आपके पैसे भी कम खर्च होंगे और भीड़ कम होने के कारण आप अच्छी तरह एंजॉय भी कर पाएंगे।

खाएं लोकल फूड

अगर आप बजट में घूमना चाहते हैं तो आपको अपने फूड पर भी फोकस करना चाहिए। ओवरप्राइज्ड कैफे और रेस्तरां में आपको बहुत सारे पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं जिन्हें आप स्थानीय स्थानों पर जाकर बचा सकते हैं जो ताजा भोजन परोसते हैं। इससे एक लाभ यह भी होगा कि आपको उस जगह के ऑथेंटिक फूड का स्वाद चखने का मौका मिलेगा।

हैप्पी हनीमून

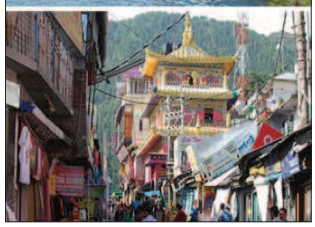

करना है पॉकेट फ्रेंडली हैप्पी हनीमून तो घूमें इन जगहों पर

शादी के बाद हनीमून किसी भी नवविवाहित जोड़े के लिए एक यादगार वक्त होता है। हनीमून ट्रिप को लेकर कपल्स के मन में कई तरह की एक्साइटमेंट होती है। लेकिन बहुत से कपल्स सिर्फ इसलिए हनीमून पर नहीं जा पाते, क्योंकि वह उनकी पॉकेट से बाहर होता है। हो सकता है कि आपकी भी जल्द शादी होने वाली है और आप कम बजट में हैप्पी हनीमून ट्रिप प्लॉन करना चाहते हैं तो ऐसे में आप इन जगहों पर जा सकते हैं-

हिमाचल प्रदेश

दिल्ली से 400 किलोमीटर की दूरी पर हिमाचल प्रदेश एक बेहद ही खूबसूरत जगह है, जहां पर आप कम बजट में अपने पार्टनर के साथ घूमने जा सकते हैं। यह आध्यात्मिक गुरु, दलाई लामा का घर है और इसमें कई जगह हैं, जैसे कि भागसू फॉल्स, शिव कैफे आदि जगहों पर जा सकते हैं और ट्रेकिंग और अन्य एडवेंचर्स एक्टिविटीज कर सकते हैं। यहां पर आपको व्यक्ति प्रति दिन 300 रूपए में ठहरने की जगह मिल सकती है।

केरल

केरल एक बेहद ही खूबसूरत राज्य है और न्यू कपल्स के लिए इसे एक बेहतरीन घूमने की जगह माना जाता है। यहां की नेचुरल ब्यूटी हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती है। केरल को भगवान का अपना देश माना जाता है, जिस कारण हर व्यक्ति केरल के मंदिरों को देखना चाहता है। यहां बहुत सिद्ध मंदिर हैं। कुछ मंदिरों में पद्मनाभस्वामी मंदिर, गुरुवायुर मंदिर, वडक्कुन्नत मंदिर, अनंतपुरा झील मंदिर, थिरुमन्धाकुन्नु मंदिर, पडियानूर देवी मंदिर आदि प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। यह पद्मनाभस्वामी मंदिर है जो यहाँ बहुत प्रसिद्ध है।

उदयपुर

राजस्थान राज्य में कई बेहतरीन घूमने की जगहे हैं, लेकिन आप कम बजट में राजस्थान में हनीमून पर जाना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उदयपुर जाना चाहिए। यह अपेक्षाकृत काफी सस्ता है। आप यहां पर सिटी पैलेस से लेकर पिंचोला झील आदि कई खूबसूरत जगहों का लुत्फ उठा सकते हैं।

आगरा

आगरा के ताजमहल को दुनिया के सात अजूबों में शामिल किया गया है। यह बेमिसाल प्यार की निशानी है। ऐसे में आपके लिए आगरा से बेहतर घूमने की जगह कौन सी होगी। यहां घूमने में आपको 5000 रूपए से भी कम का खर्च आएगा। आगरा में आप ताजमहल के अलावा आगरा का किला, फतेहपुर सिकरी आदि घूम सकते हैं। वैसे अगर आप आगरा जा रहे हैं तो वहां का फेमस पेठा खाना ना भूलें।

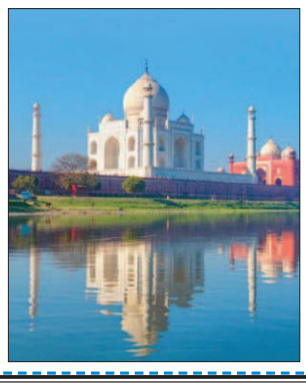

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के कर्मचारी करेंगे अनिश्चितकालीन हड़ताल

सियोल ।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स के श्रम संघ से जुड़े कर्मचारियों ने बुधवार को अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा की। दक्षिण कोरिया की सबसे बड़ी कंपनी के ये कर्मचारी उच्च वेतन और अन्य लाभों की मांग कर रहे हैं। नेशनल सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यूनियन के हजारों सदस्यों ने सोमवार को अस्थायी तीन दिवसीय हड़ताल शुरू की थी। यूनियन ने बुधवार को कहा कि वह अनिश्चितकालीन हड़ताल की घोषणा कर रही है, उसने प्रबंधन पर बातचीत को लेकर अनिच्छुक होने का आरोप लगाया है। यूनियन बयान में कहा गया है कि हम अपनी जीत को लेकर आश्वस्त हैं। इस बीच सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने कहा कि हड़ताल उत्पादन में कोई बाधा नहीं आएगी और वे बातचीत को तैयार हैं। सैमसंग के एक बयान में कहा गया कि सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स यह सुनिश्चित करेगा कि उत्पादन श्रृंखला में कोई व्यवधान न हो। यूनियन के साथ सदभावपूर्ण वार्ता के लिए कंपनी प्रतिबद्ध है।

जेएसडब्ल्यू ने ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचा बढ़ाने शेल से की साझेदारी

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने देश भर में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सार्वजनिक चार्जिंग बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए शेल इंडिया के साथ साझेदारी की है। साझेदारी के तहत जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के ग्राहक वाहन चार्जिंग के लिए देश भर में शेल के व्यापक इंधन स्टेशन का उपयोग कर सकेंगे। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने कहा कि समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार शेल इंडिया पूरे भारत में विभिन्न स्थानों पर सीसीएस 50 किलोवाट और 60 किलोवाट डीसी फास्ट चार्जर लगाएगी जिससे ईवी चार्जिंग तंत्र मजबूत होगा। ईवी उपयोगकर्ताओं के लिए लंबी दूरी की यात्रा सुविधाजनक होगी। कंपनी के के वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि शेल इंडिया के साथ हमारी साझेदारी टिकाऊ परिवहन के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे देश भर में लोग ईवी अपनाने को लेकर प्रोत्साहित होंगे। शेल इंडिया के बाजार निदेशक संजय चक्रों ने कहा कि इस साझेदारी का मकसद डिजिटल एकीकरण तथा ग्राहक-केंद्रित पहलों का लाभ उठाकर देश में इलेक्ट्रिक वाहनों को व्यापक रूप से अपनाए जाने को बल देना है।

कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने हेरॉक्स व दो अन्य पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली । कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने स्टार्टअप हेरॉक्स प्राइवेट लिमिटेड और मुंजाल परिवार के दो लोगों पर जुर्माना लगाया है। जारी आदेश के अनुसार हेरॉक्स पर कुल छह लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सुमन कांत मुंजाल तथा अक्षय मुंजाल पर 1.5-1.5 लाख रुपये का जुर्माना लगा है। कंपनी और दोनों लोगों ने महत्वपूर्ण लाभकारी स्वामी (एसबीओ) मानदंडों का उल्लंघन किया है। कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 90 के तहत संस्थाओं को एसबीओ विवरण का खुलासा करना आवश्यक है। दिल्ली और हरियाणा के रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) ने हेरॉक्स और दोनों व्यक्ति पर जुर्माना लगाया है। कंपनी ने एक बयान में कहा गया कि हेरॉक्स और निदेशक आदेश के खिलाफ क्षेत्रीय निदेशक के समक्ष अपील दायर करेंगे।

आरबीआई ने बैंकों को इंटरनल खातों के दुरुपयोग को लेकर दी चेतावनी

इंटरनल खातों को कम कर सिर्फ जरूरी खातों को ही रखने को कहा

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बैंकों को इंटरनल खातों के दुरुपयोग को लेकर चेतावनी जारी की है। इन खातों का उपयोग धोखाधड़ी और लोन चुकाने की अवधि बढ़ाने (एवरग्रीनिंग) में किया जा रहा है। आरबीआई ने पाया है कि कुछ बैंकों में बिना किसी वजह के बहुत सारे इंटरनल खाते हैं और इनका गलत कामों में उपयोग हो रहा है। आरबीआई ने बैंकों से इन खातों को कम कर सिर्फ जरूरी खातों को ही रखने को कहा है। साथ ही कहा है, बैंक इन खातों पर बेहतर नियंत्रण रखें, नियमित जांच करें और बोर्ड की ऑडिट समिति को रिपोर्ट दें। रिज़र्व बैंक के डिप्टी गवर्नर स्वामीनाथन जे ने हाल ही में बैंकों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले कुछ सालों में इंटरनल खातों के नियंत्रण और मैनेजमेंट पर बहुत ध्यान दिया जा रहा है। हमें कुछ ऐसे बैंक मिले जिनके पास लाखों की संख्या में आंतरिक खाते हैं, जिनका कोई स्पष्ट कारण नहीं है। इनमें से कुछ खातों का उपयोग धोखाधड़ी और लोन चुकाने की अवधि बढ़ाने (एवरग्रीनिंग) के लिए भी किया जा रहा है। इंटरनल खाते दुरुपयोग की संभावना के चलते काफी जोखिम वाले होते हैं। इसलिए उन्होंने मुख्य वित्तीय अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इन खातों को घटाएं और सिर्फ जरूरी खातों को ही रखें। साथ ही उन्होंने कहा कि बैंकों को इन खातों पर बेहतर नियंत्रण रखने के लिए नियमित जांच करनी चाहिए और बोर्ड की ऑडिट समिति को रिपोर्ट देनी चाहिए। आरबीआई ने सिर्फ बैंकों को ही नहीं, बल्कि गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को भी चेतावनी दी है। आरबीआई चाहता है कि एनबीएफसी अपने खुलासे (डिस्क्लोजर) की गुणवत्ता बेहतर बनाएं, खासकर लोन चुका न पाने की आशंका के मामले में।

रुपया डॉलर के मुकाबले 83.49 पर स्थिर

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट और कच्चे तेल की कीमतों में कमी के दौरान रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.49 पर स्थिर रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.49 पर सपाट शुरुआत की। इसके बाद 83.49 से 83.50 पैसे डॉलर के बीच सीमित दायरे में कारोबार करता रहा। रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.49 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 105.09 पर रहा। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 84.44 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पूंजी बाजार में मंगलवार को लिवाल रहे और 314.46 करोड़ रुपये की कीमत के शेयर खरीदे।

टाटा ट्रस्ट्स ने बनाई एक स्पेशल एग्जीक्यूटिव कमेटी

रतन टाटा की यह कमेटी लेगी सभी महत्वपूर्ण फैसले

मुंबई । देश के सबसे बड़े औद्योगिक घराने टाटा ग्रुप पर नियंत्रण रखने वाले टाटा ट्रस्ट्स ने एक स्पेशल एग्जीक्यूटिव कमेटी का गठन किया है। इस कमेटी का चेयरमैन रतन टाटा को बनाया गया है, जबकि इसमें कंपनी से जुड़े कई बड़े नाम और शामिल हैं। कंपनी से जुड़े सभी जरूरी और बड़े फैसले अब यही कमेटी करेगी। सूत्रों के अनुसार टाटा ट्रस्ट्स की इस स्पेशल एग्जीक्यूटिव कमेटी के वाइस चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह हैं जबकि इसमें ट्रस्टी मेहली मिस्त्री को भी शामिल किया गया है। सूत्रों के अनुसार इस कमेटी को बनाने का मकसद रोजमर्रा के काम पर तेजी से फैसले लेना है, ताकि हर निर्णय पर पूरे बोर्ड से रजामंदी लेने की जरूरत ना पड़े। टाटा ग्रुप से जुड़े अलग-अलग ट्रस्टों में कुल 18 ट्रस्टी हैं। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी है टाटा संस, जिसमें टाटा ट्रस्ट्स की कंट्रोलिंग अथॉरिटी है। ऐसे में टाटा संस और ओवरऑल टाटा ग्रुप के अहम निर्णय लेने में टाटा ट्रस्ट्स की ही भूमिका रहती है। इसके अलावा टाटा संस में कई अलग-अलग ट्रस्टी की भी हिस्सेदारी है। टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी टाटा ट्रस्ट्स के पास है। टाटा ट्रस्ट्स एक कल्याणकारी ट्रस्ट है जिसमें टाटा परिवार के सदस्य शामिल हैं। इसमें टाटा परिवार के सदस्यों से जुड़े कई अन्य ट्रस्ट शामिल हैं। सबसे बड़े ट्रस्ट सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट हैं। टाटा ट्रस्ट्स के प्रमुख मौजूदा समय में 87 साल के रतन टाटा हैं। वह टाटा संस के मानद चेयरमैन भी हैं।

जगुआर ने किया आई-पेस इलेक्ट्रिक एसयूवी को डी-लिस्ट

कंपनी बेचेगी बस एक कार, टाटा से जुड़ा है नाम

नई दिल्ली ।

लग्जरी कारों का निर्माण करने वाली कंपनी जगुआर ने अपनी आई-पेस इलेक्ट्रिक एसयूवी को वेबसाइट से डी-लिस्ट कर दिया है। जानकारी के अनुसार, आई-पेस को कंपनी ने वेबसाइट से हटा दिया है, जिसके बाद अब कंपनी के पास बस एक मॉडल एफ-पेस ही बचा है। जगुआर आई-पेस की आखिरी कीमत 1.26 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) थी। जगुआर आई-पेस को मार्च में 2021 में लॉन्च किया गया था और यह ब्रांड के लिए काफी हिट प्रोडक्ट थी। यह देश की शुरुआती लग्जरी ईवी में से एक थी और इसका मुकाबला ऑडी ई-ट्रॉन और मर्सिडीज ईक्यूसी से था। इसे 90केडब्ल्यूएच लिथियम-आयन बैटरी के साथ दो इलेक्ट्रिक मोटर (प्रत्येक एक्सल पर एक) के साथ पेश किया गया था और डब्ल्यूएलटीपी के अनुसार इसकी रेंज 470 किमी बताई गई थी। इलेक्ट्रिक मोटर 400 पीएस पॉवर और 696 एनएम का टॉर्क देने में सक्षम थे। स्लोबल मार्केट में हिट प्रोडक्ट होने के बावजूद आई-पेस को भारत में बंद करने का एक मुख्य कारण यह है कि इसकी बिक्री में भारी गिरावट। ऑडी क्यू8 ई-ट्रॉन ने ई-ट्रॉन की सफलता को पीछे छोड़ दिया और अभी भी इसकी मांग है। मर्सिडीज बेंज इंडिया को ईक्यूसी के साथ कोई सफलता नहीं मिली, लेकिन फिर ईक्यूई एसयूवी के साथ इसे बदलने में बहुत लंबा इंतजार नहीं किया और इसके अलावा उन्होंने कई अन्य ईवी भी लॉन्च किए जैसे ईक्यूबी, ईक्यूएस और अब ईक्यूए को भी लॉन्च कर दिया गया है।

बीएमडब्ल्यू जो इस ईवी स्पेस में देर से आई, वास्तव में यहां सबसे सफल रही है और आईएक्स एसयूवी इस शो की स्टार है। जहां तक आई-पेस की बात है, जगुआर ने कभी भी कार को मानकों के अनुरूप बनाए रखने के लिए अपडेट नहीं किया। हां, जब कार लॉन्च की गई थी, तो इसके लुक, बड़ी बैटरी क्षमता और ड्राइविंग नेचर के मामले में कार के बारे में बहुत चर्चा हुई थी। इसका असामान्य आकार इसे चलाने में मजेदार बनाता है। कार का इंटीरियर भी अपने आप में शानदार था। लेकिन 3 साल बाद, कार अपने जर्मन प्रतिद्वंद्वियों के साथ बने रहने में कामयाब नहीं हो पाई। फिलहाल जगुआर ने भारत में जल्द ही कोई नई कार लॉन्च करने की जानकारी नहीं दी है। एफ-पेस अभी भी ब्रांड के लिए अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

चेतन हंसराज कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' में परशुराम की भूमिका निभाएंगे

कलर्स के 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' ने लगातार दर्शकों को हमारी समृद्ध संस्कृति की जड़ों से जोड़े रखा है। भगवान शिव और देवी पार्वती के बीच के शाश्वत प्रेम पर आधारित, यह शो भगवान विष्णु के छठे अवतार, परशुराम के आगमन के साथ आगामी एपिसोड्स में एक दिलचस्प मोड़ लाने के लिए तैयार है। और शो में परशुराम की भूमिका निभाने के लिए इस शैली में वापसी कर रहे हैं बहुमुखी अभिनेता चेतन हंसराज, जो शो में अपने सम्मोहक प्रदर्शन से कथा को समृद्ध करने का वादा करते हैं।

आगामी एपिसोड्स में, परशुराम भगवान शिव से मिलने आते हैं, भगवान गणेश उन्हें यह कहते हुए अंदर जाने से मना कर देते हैं कि उनके पिता व्यस्त हैं और वे नहीं चाहते कि कोई उन्हें परेशान करे। इससे परशुराम क्रोधित हो जाते हैं, जिससे उनके और गणेश के बीच भयंकर युद्ध होता है। जैसे ही ऐसा लगता है कि गणेश जीतने वाले हैं, परशुराम गणेश पर अपना परशु चला देते हैं। अपने पिता के सम्मान में, जिन्होंने परशुराम को कुल्हाड़ी उपहार में दी थी, गणेश प्रतिशोध नहीं लेते हैं। इसके बजाय, वह कुल्हाड़ी को अपने ऊपर वार करने देते हैं, जिससे उनका बायां दांत कट जाता है और वह जमीन पर गिर जाते हैं। शो में परशुराम के रूप में अपनी भूमिका पर चर्चा करते हुए, अभिनेता चेतन हंसराज कहते हैं, "कलर्स पर लौटकर मुझे घर वापसी जैसा लगता है। मेरे लिए शिव शक्ति-तप त्याग तांडव में शामिल होने का एक प्रमुख कारण मेरी मां हैं, जो इस शो के प्रसारित होने के बाद से ही इसकी प्रशंसक रही हैं। भगवान शिव के प्रति उनकी भक्ति ऐसी है कि वह एपिसोड को बार-बार देखती हैं। विविध भूमिकाएं निभाने वाला अभिनेता होने के नाते मुझे दर्शकों से अलग-अलग तरीकों से जुड़ने का मौका मिलता है, लेकिन यह किरदार मेरे लिए बहुत खास है। परशुराम का किरदार निभाने का अवसर मैं हमेशा याद रखूंगा, खासकर इस शो के लिए मेरी मां के प्यार को देखते हुए। मैं अपने सभी दर्शकों और शुभचिंतकों से वैसा ही प्यार और समर्थन पाने के लिए आशान्वित और उत्सुक हूं, जैसा कि खुशकिस्मती से मुझे हमेशा मिला है।" देखिए 'शिव शक्ति - तप त्याग तांडव' हर सोमवार से रविवार रात 8:00 बजे केवल कलर्स पर!

कच्चा तेल 85 डॉलर, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमत में गिरावट देखी जा रही है। ब्रेंट क्रूड का भाव एक डॉलर लुढ़ककर 85 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल और डीजल की कीमत में कोई फेरबदल नहीं किया है। वै श्विक बाजार में बुधवार को शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.12 डॉलर की गिरावट के साथ 84.54 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी क्रूड 0.05 डॉलर लुढ़कर 81.36 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 103.94 रुपये, डीजल 90.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

भारत और रूस का वर्ष 2030 तक व्यापार 100 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य

- दोनों देशों ने सहयोग के नौ प्रमुख क्षेत्रों पर सहमति जताई

नई दिल्ली । भारत और रूस ने आपसी व्यापार को वर्ष 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। यह लक्ष्य निवेश को बढ़ावा देकर, आपसी व्यापार के लिए राष्ट्रीय मुद्राओं के उपयोग और ऊर्जा से लेकर कृषि एवं बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाकर प्राप्त किया जाएगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच मॉस्को में आयोजित 22वीं वार्षिक द्विपक्षीय शिखर बैठक के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों पक्षों ने विशेष और विशेषाधिकार-प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। दोनों पक्षों ने रूस-भारत व्यापार और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देकर द्विपक्षीय बातचीत को अतिरिक्त प्रोत्साहन देने की बात भी कही। दोनों देशों ने सहयोग के नौ प्रमुख क्षेत्रों पर सहमति व्यक्त की। इनमें व्यापार, राष्ट्रीय मुद्राओं का उपयोग करके व्यापार निपटान, उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारे जैसे नए मार्गों के जरिए माल परिवहन कारोबार में वृद्धि शामिल हैं। सहयोग के अन्य क्षेत्रों में कृषि उत्पादों, खाद्य और उर्वरक व्यापार में वृद्धि, परमाणु ऊर्जा सहित ऊर्जा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत करना, बुनियादी ढांचे के विकास के लिए बातचीत को मजबूत करना, डिजिटल अर्थव्यवस्था में निवेश और संयुक्त परियोजनाओं को बढ़ावा देना, दवाओं की आपूर्ति में सहयोग और मानवीय सहयोग को प्रोत्साहन शामिल है। दोनों नेताओं ने भारत और रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार से संबंधित गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं को खत्म करने और ईएईयू-भारत मुक्त व्यापार क्षेत्र की स्थापना की संभावना सहित द्विपक्षीय व्यापार के उदारीकरण के लिए बातचीत जारी रखने पर सहमति जताई। दोनों देशों की इस पहल का मकसद वर्ष 2030 तक 100 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के आपसी व्यापार का लक्ष्य हासिल करना है। इसमें भारत से वस्तुओं की आपूर्ति में वृद्धि शामिल है। इसके साथ ही निवेश गतिविधियों को फिर से सक्रिय करने पर सहमति जताई गई।

केंद्र सरकार देश में स्वदेशी जहाज निर्माण की नीति बनाएगी

- सिर्फ भारत में बने जहाजों को मिलेगी परमिशन, 2030 से लागू होंगे नए नियम!

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार देश में स्वदेशी जहाज निर्माण की नीति बनाने की योजना बना रही है। जानकारी के अनुसार इस नीति के तहत 2030 से तटीय और अंतर्देशीय जलमार्गों पर परिचालन के लिए केवल भारत में बने जहाजों के पंजीकरण की अनुमति दी जाएगी। अधिकारियों के मुताबिक नई दिल्ली में पिछले दिनों भारत के जहाज निर्माण उद्योग में नई जान फूंकने के मसले पर जहाजरानी व जलमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यशाला में यह प्रस्ताव सामने आया। इसके अलावा भी कई मसलों पर इसमें विचार किया गया। यह सिफारिश एक दस्तावेज में शामिल थी, जिसमें अनुमान लगाया गया है कि वैश्विक शिपबिल्डिंग में भारत का बीसवां स्थान है और इसकी वैश्विक शिपबिल्डिंग में हिस्सेदारी महज 0.06 प्रतिशत है। इस सत्र में सरकारी अधिकारियों ने घरेलू शिपबिल्डिंग और शिपओनिंग की जरूरत पर जोर दिया। कार्यशाला में केंद्रीय नौवहन सचिव टीके रामचंद्रन ने कहा कि बंदरगाह के आधारभूत ढांचे और अंतर्देशीय जलमार्ग के क्षेत्र की कवायदों और प्रगति के बावजूद हम विदेशी जहाजों पर निर्भर बने हुए हैं। हमें अभी भी वैश्विक शिपबिल्डिंग मार्केट में उल्लेखनीय हिस्सेदारी हासिल करना है। उन्होंने कहा कि इसे देखते हुए मंत्रालय अब जहाजों के निर्माण और उनकी मरम्मत पर ध्यान बढ़ा रहा है, जिससे एमआईवी 2030 और मैरीटाइम अमृतकाल विजन 2047 का महत्वाकांक्षी लक्ष्य पूरा किया जा सके। इस कार्यशाला के माध्यम से मंत्रालय का लक्ष्य हितधारकों के इनपुट के आधार पर विशिष्ट नीतियां लाना और इस क्षेत्र की क्षमता में वृद्धि के लिए कीमती योगदान हासिल करना है। अधिकारियों का कहना है कि इस सत्र में सरकारी एजेंसियों व सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की भारत निर्मित जहाजों की मांग पूरा करने, ऋण संबंधी प्रोत्साहन, मशीनरी के आयात पर कर छूट और नए शिपयार्ड की स्थापना के लिए जरूरी पूंजीगत व्यय आसान बनाने संबंधी सिफारिशों पर भी चर्चा हुई। मंत्रालय की ओर से 4 जुलाई को जारी एक बयान में कहा गया है कि मंत्रालय 100 दिन की कार्ययोजना के तहत जहाज निर्माण एवं जहाज मरम्मत नीति जल्द ही पेश करेगी।

दोपहिया वाहन उद्योग 2025 में 9 फीसदी तक वृद्धि दर बनाए रखेगा: रिपोर्ट

- वर्ष 2020, 2021 और 2022 के दौरान बिक्री में लगातार गिरावट दर्ज की गई थी

नई दिल्ली ।

एक नई रिपोर्ट में यह बताया गया है कि घरेलू और निर्यात दोनों बाजारों को देखते हुए दोपहिया वाहन उद्योग वित्त वर्ष 2025 में लगभग 7 से 9 प्रतिशत की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। केयरएज रेटिंग्स के अनुसार वित्त वर्ष 2025 में यह वृद्धि सरकार की इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम (ईएमपीएस) 2024 द्वारा समर्थित उच्च इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की बिक्री की वजह से बने रहने की उम्मीद है। केयरएज रेटिंग्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि ईवी की बिक्री लगभग 0.73 कोविड के बाद वित्त वर्ष 2020, मिलियन यूनिट तक पहुंच गई। जो 2021 और 2022 के दौरान कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री का दोपहिया वाहनों की बिक्री में 4.54 प्रतिशत है। यह 188 लगातार गिरावट दर्ज की गई थी। प्रतिशत की साल-दर-साल लेकिन वित्त वर्ष 2023 से इसमें उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है। वहीं सुधार शुरू हुआ जो वित्त वर्ष वित्त वर्ष 2024 में ईवी की बिक्री 2024 में भी जारी रहा। वित्त वर्ष लगभग 30 प्रतिशत बढ़ी और यह 2023 में दोपहिया वाहन उद्योग ने 0.94 मिलियन यूनिट की मात्रा को 19.51 मिलियन यूनिट की बिक्री पार कर गई। रिपोर्ट में उल्लेख किया दर्ज की थी। जो पिछले वित्तीय वर्ष गया है कि वित्त वर्ष 2024 में 2022 की 18.01 मिलियन यूनिट मोटरसाइकिलों की बिक्री में 8 की तुलना में 8 प्रतिशत अधिक प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि थी। वित्त वर्ष 2024 में इस उद्योग स्कूटर की बिक्री में 13 प्रतिशत में और तेजी देखने को मिली और की वृद्धि हुई है।

21.43 मिलियन यूनिट की कुल बिक्री के साथ 9.8 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई और यह जारी

एयर इंडिया और विस्तारा करेगी 700 कर्मचारियों की छंटनी

मुंबई ।

एयर इंडिया और विस्तारा एयरलाइंस में कम से कम 700 कर्मचारियों की छंटनी हो सकती है। एयरलाइंस के दो अे धिको रियों के मुताबिक इसकी आधिकारिक घोषणा इस साल अक्टूबर तक होने की संभावना है। दोनों एयरलाइंस के बहुपतीक्षित मर्जर ने कर्मचारियों पर छंटनी की तलवार लटका दी है। दोनों अधिकारियों ने कहा कि इसमें रिटायरमेंट के करीब पहुंच रहे कर्मचारी और फिक्स्ड टर्म कांट्रैक्ट वाले कर्मचारी शामिल नहीं है। एक रिपोर्ट के मुताबिक करीब 18,000 कर्मचारियों वाले एयर इंडिया का विस्तारा के साथ मर्जर होने वाला है।

इसके लिए मर्ज की गई यूनिट में करीब 6000 विस्तारा कर्मचारियों को समायोजित करने की आवश्यकता होगी। एक अधिकारी ने कहा कि आंतरिक फिटमेंट प्रक्रिया पूरी हो चुकी है और जल्द ही छंटनी का ऐलान किया जाएगा। निश्चित अवधि के अनुबंध वाले कर्मचारियों और जल्द ही रिटायर होने वाले कर्मचारियों को छोड़कर एयर इंडिया और विस्तारा दोनों के करीब 700 कर्मचारियों की छंटनी होने की उम्मीद है। बार-बार प्रयास करने के बावजूद एयर इंडिया के प्रवक्ता ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

भारत के युवा खिलाड़ियों का जलवा, जिम्बाब्वे को 23 रनों से चटाई धूल, सीरीज में बनाई बढ़त

मुंबई (एजेंसी)। शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय टीम इस समय जिम्बाब्वे दौरे पर है। जहां, दोनों टीमों के बीच टी20 सीरीज खेली जा रही है। बुधवार को भारत ने जिम्बाब्वे को दूसरे तीसरे टी20 मुकाबले में 23 रन से हरा दिया और सीरीज में 2-1 की बढ़त भी बना ली है। इससे पहले जहां भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ पहले मुकाबले में हार झेलनी पड़ी। वहीं दूसरे मुकाबले में भारत की युवा टीम ने जिम्बाब्वे को 100 रन से हराया था। इसके साथ ही अब तीसरे मुकाबले में भी भारतीय टीम को 23 रन से बेहतरीन जीत मिली है। हरारे स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में खेले गए तीसरे मैच में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 183 रनों का टारगेट सेट किया। जिसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 6 विकेट गंवाकर 159 रन पर ही सिमट गई। इनके अलावा कोई भी बल्लेबाज अपनी छाप नहीं छोड़ सका। जबकि भारत की तरफ से वॉशिंगटन सुंदर ने 3 और आवेश खान ने 2 विकेट झटके। वहीं खलील अहमद को 1 विकेट की सफलता मिली। इसके साथ ही पहले बल्लेबाजी करने उतरी टीम इंडिया ने 4 विकेट गंवाकर 182 रन बनाए मैच में शुभमन गिल के साथ यशस्वी जायवाल ने ओपनिंग की। गिल ने कप्तानी पारी खेलते हुए 49 गेंदों में 66 रन की पारी खेली, इस दौरान उन्होंने 3 छक्के और 7 चौके जमाए जबकि यशस्वी ने 36 रन बनाए। इसके अलावा मिडिल ऑर्डर में ऋतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंदों में 49 रनों की पारी खेली। पिचले मैच में शतक लगाने वाले अभिषेक शर्मा को नंबर 3 पर भेजा गया जो 10 रन ही बना सके। जिम्बाब्वे की तरफ से कप्तान और स्पिनर सिकंदर रजा ने 2 विकेट झटके, ब्लेसिंग मुजाराबानी को भी 2 विकेट की सफलता मिली।

मेसी ने दागा 109वां गोल, अर्जेंटीना कोपा अमेरिका के फाइनल में पहुंचा

ईस्ट रदरफोर्ड (न्यू जर्सी) (एजेंसी)। लियोनेल मेसी के अपने करियर के 109वें अंतरराष्ट्रीय गोल और वर्तमान टूर्नामेंट के पहले गोल के दम पर गत चैंपियन अर्जेंटीना ने कनाडा को 2-0 से हराकर कोपा अमेरिका फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। अर्जेंटीना की तरफ से जूलियन अल्वारेज ने 22वें मिनट में पहला गोल किया जबकि मेसी ने 51वें मिनट में एन्जो फर्नांडीज के शॉट को गोल में भेज कर उसकी बढ़त दोगुनी की। मेसी के सामने तब गोलकीपर मैक्सिम क्रेप्यू थे लेकिन इस स्टार फुटबॉलर के आगे उनकी एक नहीं चली। मेसी ने अर्जेंटीना के लिए अपने पिछले 25 मैचों में 28 गोल किए हैं। वह कोपा अमेरिका में अब तक 14 गोल कर चुके हैं जो रिकॉर्ड से तीन गोल कम हैं।

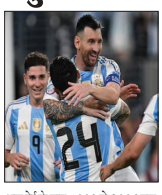

अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में मेसी से अधिक गोल पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो के नाम पर दर्ज हैं जिन्होंने अभी तक 130 गोल किए हैं। ईरान के अली देई के नाम 1993 से 2006 तक 108 या 109 गोल दर्ज हैं। इक्वाडोर के खिलाफ 2000 में किए गए उनके गोल को लेकर विवाद है क्योंकि इस मैच के अंतरराष्ट्रीय दर्जे को लेकर मतभेद हैं। अर्जेंटीना ने यह जीत अपने स्वतंत्रता दिवस पर हासिल की जिससे उसका अजेय अभियान 10 मैच तक पहुंच गया है। अर्जेंटीना रविवार को होने वाले फाइनल में उरुग्वे या कोलंबिया का सामना करके रिकॉर्ड 16वां कोपा खिताब जीतने की कोशिश करेगा।

ऋतुराज गायकवाड़ की बड़ी छलांग, अभिषेक शर्मा की धमाकेदार एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी ने बुधवार को टी20 खिलाड़ियों की रैंकिंग जारी की है। बल्लेबाजों की सूची में ऋतुराज गायकवाड़ 13 स्थान की छलांग लगाकर टॉप-10 में पहुंच गए हैं। वह 662 रेटिंग अंकों के साथ सातवें स्थान पर हैं। उन्होंने जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में 77 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने 47 गेंदों का सामना करने के बाद 11 चौके और एक छक्का मारा था।

शतकवीर अभिषेक शर्मा ने रैंकिंग में धमाकेदार एंट्री की है। वह 75वें पायदान पर आ गए हैं। इंटरनेशनल डेब्यू मैच में शून्य पर पवेलियन लौटने वाले अभिषेक ने इंडिया वर्सेस जिम्बाब्वे दूसरे टी20 में तूफानी शतक ठोका था। उन्होंने 47 गेंदों में 7 चौकों और 8 छक्कों की मदद से 100 रन बनाए। वह सबसे कम पारियों में टी20 इंटरनेशनल शतक लगाने वाले भारतीय हैं। उन्होंने गायकवाड़ के साथ दूसरे विकेट के लिए 137 रन की बेहतरीन पारी खेली थी। इसके साथ ही रिंकू सिंह को भी फायदा हुआ है। वह चार ऊपर चढ़कर 39वें पर पहुंच गए हैं। उन्होंने 22 गेंदों में 48 रन बनाए थे, जिसमें दो चौके और पांच छक्के शामिल हैं। जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट ने दो आक्रामक कैमियो की बदौलत 25 स्थान की छलांग लगाई। वह 96वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड (844) टॉप पर काबिज हैं। भारत के स्टार बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव (821) दूसरे नंबर पर हैं।

श्रीलंका दौरे पर हार्दिक पांड्या टी20 तो केएल राहुल वनडे के बनेंगे कप्तान

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्व कप जीतने के बाद टी20आई से संन्यास लेने की रोहित शर्मा की घोषणा के बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या खेल के सबसे छोटे प्रारूप में मेन इन ब्लू का नेतृत्व कर सकते हैं। इसी तरह विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल वनडे टीम का नेतृत्व करते नजर आ सकते हैं। बीसीसीआई सूत्रों के अनुसार- रोहित के टी20 से संन्यास लेने के बाद हार्दिक उनकी जगह लेने के लिए तैयार हैं। उनको आगाम देने की खबरें गलत हैं। पांड्या ने टी20 विश्वकप की 6 पारियों में 48.00 के औसत और 151.57 के स्ट्राइक रेट से 144 रन बनाए थे। इसके साथ 17.36 की औसत और 7.64 की इकॉनमी रेट से 11 विकेट भी लिए थे।

इसलिए हार्दिक को मिला मौका

टी20 में शानदार प्रदर्शन करने के चलते हार्दिक पांड्या को प्रशंसकों से खूब प्यार मिला। इससे तीन महीने पहले ही हार्दिक 5 बार के आईपीएल चैंपियन रोहित शर्मा से मुंबई इंडियंस (एमआई) की कप्तानी लेने के कारण फैंस के निशाने का शिकार हो रहे थे। लेकिन टी20 में उन्होंने बढ़िया प्रदर्शन कर दर्शकों का झुकाव अपनी ओर कर लिया साथ ही बीसीसीआई सिलेक्टर्स को भी प्रभावित कर लिया। यह ऑलराउंडर, जो पिछले साल 50 ओवर के विश्व कप में टखने में चोट लगने के बाद खेल में वापसी कर रहा था, ऑनलाइन ट्रोलिंग और फैन वॉर का शिकार हो गया क्योंकि उन पर एमआई फ्रेंचाइजी को धोखा देने का आरोप लगाया गया था। उम्मीद है कि रोहित के टी20 क्रिकेट छोड़ने के बाद हार्दिक अब इसे आगे लेकर जाएंगे।

इसलिए राहुल पर है बीसीसीआई को भरोसा

भारत में आयोजित वनडे विश्व कप 2023 में शानदार प्रदर्शन करने के बावजूद केएल राहुल को मेन इन ब्लू टी20 विश्व कप टीम से बाहर कर दिया गया था। राहुल के नाम 9 पारियों में 386 रन हैं, औसत 77.20 और स्ट्राइक रेट 98.72 है। पांचवें नंबर पर आकर राहुल ने इस विश्व कप में कई मौकों पर भारतीय पारी को संभाले रखा है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के पहले मुकाबले में मैच जिताऊ पारी खेली, जब मेजबान टीम का स्कोर 3 विकेट पर 2 रन था। उन्होंने कोहली के साथ 165 रन की साझेदारी की और नाबाद 97 रन बनाकर भारत को चेहई में ऐतिहासिक जीत दिलाई। उनके अनुभव को देखते हुए एक बार फिर से उन्हें कमान दी जा रही है।

सूत्रों ने कहा कि रोहित शर्मा की अनुपस्थिति में केएल राहुल भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे क्योंकि बोर्ड का मानना ??है कि वह लंबे प्रारूप में रन बनाते हैं। इससे पहले मंगलवार को भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव जय शाह ने मंगलवार को घोषणा की कि पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर को भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। गंभीर भारतीय टीम के लिए बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज थे और उन्होंने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स टीम के मेंटर के रूप में काम किया था। गंभीर के मार्गदर्शन में केकेआर ने इस सीजन में अपनी तीसरी आईपीएल ट्रॉफी जीती।

चैंपियंस ट्रॉफी खेलने संन्यास से वापसी करने भी तैयार हैं वार्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए संन्यास से वापसी करने तैयार हैं। वार्नर ने कहा है कि वह इस एक आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने के लिए तैयार हैं। वार्नर ने टी20 विश्वकप के बाद इस प्रारुप से संन्यास की घोषणा कर दी थी। इस खिलाड़ी ने प्रशंसकों और अपने साथियों के समर्थन के लिए उनका आभार जताया है। इसके अतिरिक्त उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने की इच्छा जताया है। इस बल्लेबाज ने कहा कि मेरे करियर का समय अंतरराष्ट्रीय खेलने में लगा है। साथ ही कहा कि सभी प्रारूपों में 100 से अधिक खेलना मेरा सपना रहा है जिससे संभव बनाने में मुझे सभी का समर्थन मिलन और मैं उनके प्रति आभारी हूं। उन्होंने कहा, मेरी पत्नी और मेरी बेटियां ने खेल के दौरान मेरा पूरा साथ दिया। जिसके लिए मैं उनका आभारी हूं। कोई भी बाहरी व्यक्ति कभी नहीं जान पाएगा कि हमने क्या- क्या सहा है। मुझे उम्मीद है कि सभी क्रिकेट प्रशंसकों का मैंने अपने खेल से मनोरंजन किया है और टेस्ट क्रिकेट का तेजी से खेलकर बदलने का प्रयास किया है। साथ ही कहा कि हम प्रशंसकों के बिना वह नहीं कर सकते जो हमें पसंद है, इसलिए धन्यवाद। मैं कुछ समय तक फ्रैंचाइजी क्रिकेट खेलना जारी रखूंगा और इसके बाद अगर मुझे अवसर मिलता है तो मैं चैंपियंस ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने को तैयार हूं। ऑस्ट्रेलिया की सीमित ओवरों की टीमें सितंबर में अपने सत्र की शुरुआत करेंगी। इसमें टीम पहली बार वार्नर के बिना ही उतरेगी। उसे सबसे पहले स्कॉटलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ तीन- तीन टी20 मैचों की सीरीज खेलनी है।

टेस्ट क्रिकेट शीर्ष टीमों के बीच ही खेला जाये : शास्त्री

-टी20 के जरिये खेल को आगे बढ़ायें

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि टी20 से खेल को दुनिया भर में लोकप्रिय बनाया जाना चाहिये। वहीं टेस्ट क्रिकेट केवल 6 या 7 देशों के बीच ही होना चाहिये। शास्त्री ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि आप 2 स्तर रख सकते हैं पर टेस्ट क्रिकेट में रुचि बनाए रखने के लिए शीर्ष छह टीमों को ही खेलते रहने दें। आप इस खेल को टी20 जैसे अन्य प्रारूपों के जरिये दुनिया भर में लोकप्रिय बना सकते हैं पर इसके लिए खेल का स्तर अच्छा होना चाहिये क्योंकि अगर आपके पास गुणवत्ता नहीं है तो रेटिंग गिरती जाएगी। अगर आपके पास 12 टेस्ट मैच टीमें हैं तो इसे छह या सात तक ही सीमित करें। जो बढ़िया खेले ऊपर आए जो खराब खेले वह नीचे चली जाए और उससे आगे खेलने का अवसर नहीं मिले। वहीं एमसीसी अध्यक्ष मार्क निकोलस ने कहा कि टी20 क्रिकेट से आने वाला पैसा खेल को आगे बढ़ाने का एकमात्र तरीका हो सकता है। टी20 क्रिकेट ऐसा प्रारुप है जो हर कोई चाहता है। यह वह जगह है जहां नया बाजार है, जहां प्रशंसक हैं और जहां पैसा है। क्रिकेट में पैसे के आने को बाजारीकरण नाम दिया जा रहा है पर ऐसा नहीं होना चाहिए क्योंकि यह खेल को बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज और मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया में वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाज शमर जोसेफ के यादगार टेस्ट डेब्यू का हवाला देते हुए कहा कि वह चाहते हैं कि युवाओं पर इसके प्रभाव के कारण अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को संरक्षित किया जाए।

गंभीर अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने में सक्षम: कोच भारद्वाज

जकार्ता (एजेंसी)। नई दिल्ली = भारतीय टीम के मुख्य कोच नियुक्त किए गए गौतम गंभीर के बचपन के कोच संजय भारद्वाज का मानना है कि यह पूर्व सलामी बल्लेबाज अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने की क्षमता रखता है और चुनौतियों का डटकर सामना करने की उनकी आदत राष्ट्रीय टीम के लिए जीत की आदत बन सकती है। गंभीर को मंगलवार को भारतीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। वह राहुल द्रविड़ की जगह लेंगे जिनका कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद समाप्त हो गया था।

भारद्वाज ने कहा, 'गौतम के पास अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवाने की योग्यता है। एक शीर्ष कोच का काम यही होता है। गौती अपने खिलाड़ियों को अच्छी तरह से जानते हैं और उनका प्रभावी ढंग से उपयोग करके उनसे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करवा सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'मेरा मानना है कि कोच के रूप में उनमें भारत को चरम पर ले जाने की क्षमता है। वह बिना किसी पक्षपात के ईमानदारी से काम कर सकते हैं और भारतीय क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन ला सकते हैं। भारत पिछले 13 वर्ष है (वनडे) विश्व कप नहीं जीत पाया है लेकिन अब इस खिताब को जीतने की पूरी उम्मीद है।'

अमित मिश्रा, उमुक्त चंद और नितीश राणा जैसे कई खिलाड़ियों को तैयार करने वाले भारद्वाज का मानना है कि गंभीर किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने के लिए हर समय तैयार रहते हैं। उन्होंने कहा, 'वह हमेशा चुनौती का सामना करते हुए खेलते हैं। जब वह 10 वर्ष के थे तब से उनमें जीत की मानसिकता है। वह हमेशा जीतने के लिए खेलते थे। उन्होंने कभी नहीं सोचा कि वह कोई मैच हार सकते हैं। उन्हें अपनी क्षमता पर कभी संदेह नहीं रहा। उनमें किसी भी तरह की चुनौती का सामना करने और उसने सफल होने की योग्यता है।'

गंभीर ने 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की अगुआई में भारत को वनडे विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। भारद्वाज ने कहा कि गंभीर ने तब रोहित शर्मा के स्टार खिलाड़ी बनने की भविष्यवाणी कर दी थी जब वर्तमान भारतीय कप्तानअपने शुरुआती दिनों में खराब फॉर्म से गुजर रहा था। उन्होंने कहा, 'गंभीर ने विराट कोहली और रोहित शर्मा के साथ क्रिकेट खेली है। एक बार उन्होंने अपना मैन ऑफ द मैच विराट को दे दिया था जिससे पता चलता है कि वह दिल के कितने सच्चे इंसान हैं। उन्होंने मुझे बहुत पहले बता दिया था कि रोहित शर्मा एक दिन स्टार खिलाड़ी बनेगा जो सही साबित हुआ।'

भारद्वाज ने कहा, 'अगर गौतम को लगता है कि यह चीज टीम के लिए सही है तो वह अपने फैसले पर अडिग रहेंगे। गौतम जीतने के लिए खेलते हैं। उन्हें पता है कि क्या करना है और एक निश्चित टीम संयोजन बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वह पक्षपात में विश्वास नहीं करते; उन्हें केवल क्रिकेट ही सबसे ज्यादा पसंद है।'

नोवाक जोकोविच विंबलडन सेमीफाइनल में

लंदन। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने कूल्हे की चोट के कारण बुधवार को एलेक्सडि मिनोर के हटने पर विंबलडन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय डि मिनोर ने सेंटर कोर्ट पर जोकोविच के खिलाफ होने वाले क्वार्टर फाइनल मुकाबले से घंटों पहले टूर्नामेंट से हटने की घोषणा की। डि मिनोर ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि बेशक यह वह घोषणा नहीं है जो मैं करना चाहता था। मैं टूट चुका हूं। उन्होंने बताया कि सोमवार को चौथे दौर में आर्थर फिल्स पर 6-2, 6-4, 4-6, 6-3 की जीत के दौरान उन्होंने 'क्रैक' की आवाज सुनी थी। जब वह मैच समाप्त हुआ तो डि मिनोर सावधानी से नेट की ओर गए लेकिन बाद में मीडिया से बात करते समय उन्होंने स्थिति की गंभीरता को कम करके आंका। इस वॉकओवर से जोकोविच ने 13वीं बार विंबलडन सेमीफाइनल में जगह बनाई और इस तरह से उन्होंने पुरुष एकल में रोजर फेडरर के रिकॉर्ड की बराबरी की। दूसरे वरीयता प्राप्त जोकोविच ने पुरुष एकल में रिकॉर्ड 24 ग्रैंड स्लैम खिताबों में से सात विंबलडन में जीते हैं। फाइनल में जगह बनाने के लिए जोकोविच का सामना शुक्रवार को टेलर फ्रिट्ज और लोरेंजो मुसेटी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

ईशान ने बताया , घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने का कारण

मुम्बई (एजेंसी)। पिछले साल हुए दक्षिण अफ्रीका दौरे के बाद से ही भारतीय टीम से बाहर चल रहे युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन ने अब रणजी ट्रॉफी के अलावा घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने का कारण बताया है। ईशान ने कहा, तब मैंने क्रिकेट से ब्रेक लेने का फैसला लिया था। इसलिए मुझे लगा कि यह सामान्य बात है। क्रिकेट बोर्ड का भी नियम है कि अगर कोई खिलाड़ी टीम में वापसी करना चाहता है तो उसे घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

उन्होंने साथ ही कहा, यह मेरे लिए इतना आसान भी नहीं था। इसका कारण है कि तब मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को छोड़कर ब्रेक लेने जा रहा था। ऐसे में कोई कैसे घरेलू क्रिकेट खेल सकता है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से ब्रेक लेकर घरेलू क्रिकेट में मैच खेलने की बात अजीब है। इससे तो अच्छा ये होता कि मैं ब्रेक ही ना लेता और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में ही खेलते रहता। ईशान ने आगे कहा, यह सारी बातें इतनी सहज नहीं थी, मेरे लिए बहुत ही निराशाजनक था। तब मैंने सोचा नहीं था कि हालात ऐसे होंगे। ईशान के घरेलू क्रिकेट नहीं खेलने के कारण बीसीसीसी नाराज था और उसने उसे केन्द्रीय अनुबंध भी नहीं दिया। इसके अलावा किसी भी सीरीज के लिए टीम में जगह नहीं दी। ऐसे में ईशान के भविष्य को लेकर सवाल उठने लगे हैं। बीसीसीआई ने सभी खिलाड़ियों को अपने अपने राज्य की टीम की तरफ से घरेलू क्रिकेट में खेलने को कहा था। इसके बाद भी ईशान ना तो रणजी ट्रॉफी में खेलने उतरे और ना ही किसी और टूर्नामेंट में झारखंड की टीम के लिए खेलते नजर आए। इससे पहले ईशान ने एकदिवसीय में बांग्लादेश के खिलाफ दोहरा शतक लगाया था और उनका प्रदर्शन भी बेहतर होता जा रहा था। इसके बाद भी एक गलती के कारण वह टीम से बाहर हो गये।

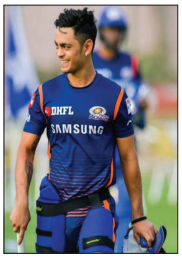

भारतीय फुटबॉल टीम के कोच बनने की दौड़ में शामिल रोजारियो और नौशाद

कोलकाता। भारतीय फुटबॉल टीम को अब आने वाले समय में नया कोच मिल सकता है। इगोर स्टिमक को कोच पद से हटाये जाने के बाद से ही अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) नये कोच की तलाश कर रहा है। जिसके बाद उसे दुनिया भर से कई प्रस्ताव मिले हैं। इस पद के लिए मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के पूर्व कोच स्टेनली रोजारियो और नॉर्थईस्ट यूनाइटेड के मौजूदा सहायक कोच नौशाद मूसा ने भी आवेदन किया है। इस पद के लिए 100 आवेदनकर्ता यूएफ़ा प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं जबकि 20 के पास एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा है। तीन के पास दक्षिण अमेरिका फुटबॉल परिसंघ (कोनमेबोल) लाइसेंस है। रोजारियो और मूसा एएफसी प्रो लाइसेंस डिप्लोमा धारक हैं। इसके अलावा मोहन बागान सुपर जाइंट्स को 2023-24 आईएसएल लीग शील्ड जिताने में सहायता करने वाले एंटोनियो लोपेज हबास ने भी आवेदन किया है। एक अधिकारी के अनुसार रोजारियो और मूसा उन भारतीयों में शामिल हैं जिन्होंने आवेदन किया है और वे एएफसी प्रो लाइसेंस धारक भी हैं। इसके अलावा एंटोनियो हबास ने भी आवेदन किया है। प्रस्तावों में शामिल भारतीय उम्मीदवारों के नाम 20 जुलाई को एआईएफएफ कार्यकारी समिति की बैठक में रखे जाएंगे। इससे पहले एआईएफएफ उपाध्यक्ष एनए हैरिस की अगुआई वाली समिति आवेदनों की समीक्षा करेगी। समिति में तकनीकी, लीग, प्रतियोगिता, वित्त और विकास समिति के अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष भी शामिल होगा। एआईएफएफ ने कहा है कि इस महीने के अंत तक पुरुष टीम के नए कोच का नाम तय कर दिया जाएगा।

संन्यास ले लिया है लेकिन भारत को मुकाम तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा : छेत्री

मुंबई (एजेंसी)। नई दिल्ली = भारतीय फुटबॉल के महान खिलाड़ी सुनील छेत्री ने भले ही अंतरराष्ट्रीय करियर को अलविदा कह दिया हो लेकिन वह टीम के साथ जुड़े रहेंगे और उनका कहना है कि वह देश को मुकाम पर पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को डूरंड कप फुटबॉल टूर्नामेंट के ट्रॉफी दौरे को हरी झंडी दिखाई। इस कार्यक्रम में मौजूद छेत्री ने कहा कि भारत एक दिन ऐसे मुकाम पर पहुंचेगा जिसका देश के लोगों ने सपना देखा है।

कई राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ने के बाद पिछले महीने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास लेने वाले छेत्री ने कहा, 'मैंने अपने करियर में कई उतार चढ़ाव देखे हैं लेकिन एक चीज बरकरार रहेगी कि एक दिन दिन हम उस स्तर पर पहुंचेंगे जिसका हम सभी ने सपना देखा है।'

छेत्री इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में खेलना जारी रखेंगे क्योंकि बेंगलुरु एफसी के साथ उनका अनुबंध अगले साल तक है। उन्होंने हालांकि अभी तक फैसला नहीं किया है कि वह कब तक घरेलू फुटबॉल में खेलते रहेंगे। छेत्री अगले महीने 40 साल के हो जाएंगे।

2022 में बेंगलुरु एफसी की अगुआई करते हुए डूरंड कप खिताब दिलाने वाले छेत्री ने कहा, 'मैं अब ज्यादा कुछ नहीं कर सकता हूं क्योंकि मैं संन्यास ले चुका हूं लेकिन मैं भारत को उस मुकाम तक पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास करूंगा। हमें इसके लिए काफी काम करना होगा, लेकिन हम उस मुकाम तक जरूर पहुंचेंगे जहां हम पहुंचना चाहते हैं।'

छेत्री के 19 साल लंबे करियर के दौरान भारत एशिया में शीर्ष 20 में रहा है लेकिन शीर्ष 10 में नहीं पहुंच सका। इस समय भारत एशिया में 22वें और दुनिया में 124वें स्थान पर है। जुलाई 2023 में भारतीय टीम फीफा रैंकिंग में शीर्ष 100 में पहुंची थी। डूरंड कप के बारे बात करते हुए छेत्री ने कहा, 'जब मैं दिल्ली के क्लब के लिए खेलता था तो मुझे पहचान मिली थी। यह एक टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि भारतीय फुटबॉल का इतिहास और परंपरा इससे जुड़ी है।'

'मैं अपनी इज्जत बचाने के लिए यह कदम उठा रहा हूं', सुसाइड नोट लिखकर की आत्महत्या

एजेंट ने कारोबारी के नाम पर लोन लेकर किश्तें नहीं चुकाने पर उठाया कदम

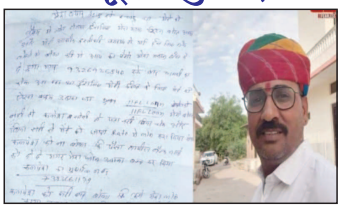

सूरत। शहर में आत्महत्या की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं. तब कपड़ा मार्केट के एक व्यापारी ने सुसाइड नोट लिखकर आत्महत्या कर ली थी. कारोबारी ने सुसाइड नोट में लिखा है कि एजेंट को बताए बिना उसके नाम पर लोन लिया गया था। इसके बाद लोन की किश्तें नहीं चुकाने पर बैंक की ओर से दबाव बनाया गया। कॉल किए गए. जिससे यह बात सामने आई है कि इज्जत बचाने के लिए यह कदम उठाया गया है.

दूसरों ने कर्ज लिया और फंस गये

गोडादरा के व्यवसायी ने की आत्महत्या. राजेंद्र नाम के कारोबारी ने सुसाइड नोट में लिखा कि 2018 से कारोबार में घाटा हो रहा था. इसलिए आर्थिक स्थिति ख़राब हो रही थी. पैसे निकालने के लिए बैंक से बार-बार फोन आ रहे थे। इसलिए मैंने सम्मान बचाने के लिए यह कदम उठाया है.ज मैंने नहीं बल्कि कल्पेश सोनी ने बिना बताए आईआईएफएल से ऊंची दर पर लोन लिया था। कल्पेश को पैसे देने के लिए कहा गया. लेकिन बाद में उसने मेरी कॉल का जवाब देना बंद कर दिया.

किस्तों का भुगतान नहीं हो पाने के कारण उठाया गया कदम

कल्पेश कई बार कह चुका था लेकिन वह कुछ नहीं कर रहा था. मैंने पहले भी बैंक से लोन लिया था. लेकिन कभी भी एक किश्त न चूकें। लेकिन व्यापार में अधिक घाटा होने और किश्तें चुकाने में असमर्थ होने के कारण मैं यह कदम उठा रहा हूं। मेरे परिवार को परेशान नहीं कर रहा हूं. जिसे लिखकर उसने दबाव में आकर आत्महत्या कर ली। फिलहाल पुलिस सुसाइड नोट के आधार पर आगे की जांच में जुट गई है।

आइए एक जागरूक नागरिक के रूप में मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसे बुखार फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन को रोकें

सूरत । राज्य सरकार द्वारा "मलेरिया मुक्त गुजरात-2030" अभियान के तहत वर्ष 2030 तक पूरे राज्य से मलेरिया उन्मूलन के लिए एक्शन मोड में अभियान चलाया जा रहा है, जबकि सभी जिलों में मलेरिया के मामलों की संख्या और वर्ष 2027 तक 1,000 की आबादी पर राज्य के निगम शून्य हो जायेंगे। इस वर्ष "मलेरिया मुक्त गुजरात" के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, मलेरिया रोग की रोकथाम और नियंत्रण, मानव समुदाय से मलेरिया परजीवी के उन्मूलन और मच्छरों के प्रजनन स्थानों को खत्म करने के बारे में जनता को जागरूक करने के लिए स्वास्थ्य शिक्षा के विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। वे स्थान जहां रोग फैलता है, मानव-मच्छर संपर्क को कम करना आवश्यक है। जागरूक नागरिक होने के नाते, हम मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया जैसे बुखार फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन को रोक सकते हैं: ठंड और ठंड के साथ बुखार, सिरदर्द, शरीर में झुनझुनी, मतली, उल्टी, बेचैनी, कमजोरी और पसीना आना मलेरिया के लक्षण हैं। मलेरिया बुखार से पीड़ित रोगी को मलेरिया की जांच करने और उपचार लेने के लिए तुरंत स्वास्थ्य कार्यकर्ता के पास दो बूंद रक्त ले जाना चाहिए। यदि रक्त परीक्षण में मलेरिया के कीटाणु पाए जाएं तो पूरा उपचार लें।

पीने के पानी और घरेलू पानी से भरी हुई टंकियों, कोठियों को एयर-टाइट ढक्कन या मोटे कपड़े से बंद करने के लिए, पानी की टंकियों, कोठियों को हर सप्ताह खाली करें, रुई के धागे से पोंछें, सुखाएं और दोबारा उपयोग में लें।

रुके हुए पानी को निपटाना और जले हुए तेल से कपड़े की गोलियां बनाना या उनमें मिट्टी का तेल डालना।

अवरुद्ध नालियों को साफ़ करना. आसपास खड़ी घास को काटना और झाड़ना। मच्छरों के प्रजनन स्थानों का पता लगाएं और मच्छरों के प्रजनन स्थानों को नष्ट करें।

शहर एवं आस-पास के क्षेत्रों में मकानों के निर्माण कार्य चालू या बंद होने के दौरान बनाए गए पानी के गड्ढों में मच्छरों के प्रजनन को रोकने, ऐसे स्थानों पर उत्पन्न होने वाले लार्वा को नष्ट करने के लिए ठेकेदारों को विशेष निर्देश देना।

सूरत आरटीओ एम/साइकिल के चुनिंदा गोल्डन और सिल्वर नंबरों की नीलामी करेगा

सूरत।

पाल, सूरत स्थित आरटीओ द्वारा मोटरसाइकिलों की जीजे-05 टीएफ श्रृंखला के चुनिंदा गोल्डन और सिल्वर नंबरों की ऑनलाइन नीलामी शुरू की जाएगी। इसके लिए 15 से 17 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन होगा. जबकि नीलामी 17 से 19 जुलाई तक आयोजित की जाएगी.

पसंदीदा नंबर पाने के इच्छुक वाहन मालिकों को अपने वाहनों को ढ्ढह्लह्लश्च://श्चड्डह्लद्ब-1ड्डद्धड्डठ्ठ.द्दश1.द्बठ्ठ/द्बड्डठ्ठष्4 पर पंजीकृत करना होगा, यूजर आईडी और पासवर्ड तैयार करना होगा और यातायात आयुक्त कार्यालय के निर्धारित निर्देशों के अनुसार नीलामी में भाग लेना होगा। पसंदीदा नंबर प्राप्त करने के लिए आवेदन बिक्री चालान की तारीख या बीमा की तारीख, जो भी पहले हो, से 7 दिनों के भीतर जमा किया जाना चाहिए। ऐसा आवेदन करने की तिथि से 60 दिनों तक वैध रहेगा। इस प्रकार, यदि आवेदक को 60 दिनों के भीतर कोई पसंदीदा नंबर नहीं मिलता है या आवेदक को उपलब्ध नंबरों में से कोई पसंदीदा नंबर आवंटित नहीं किया जा सकता है, तो आवेदन की तारीख से 60 दिनों के बाद पंजीकरण प्राधिकारी द्वारा यादृच्छिक रूप से नंबर आवंटित किया जाएगा। आखिरी दिन।

यदि आवेदक नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के 5 दिनों के भीतर बोली राशि जमा करने में विफल रहता है, तो आधार मूल्य जब्त कर लिया जाएगा और नीलामी दोहराई जाएगी। आवेदक को आरबीआई द्वारा निर्धारित दर पर शुल्क का भुगतान करना होगा। चूंकि असफल आवेदक को रिफंड के लिए मौजूदा मैनुअल पद्धति के अनुसार पैसा वापस करना होगा, पैसा आवेदक के उसी खाते में एसबीआई ई-पे के माध्यम से उसी मोड में वापस कर दिया जाएगा जैसे कि भुगतान नेट बैंकिंग, क्रेडिट -डेबिट कार्ड, ई.चा. ने कहा। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी की सूची,-पाल, सूरत बताती है।

CCS2 टाइप कनेक्टर से किसी भी ब्रांड की EV कार को चार्ज किया जा सकता है

सुरत भुमि, वडोदरा । चार्जज़ोन वडोदरा स्थित इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापना कंपनी है। कंपनी ने नागरिकों की सुविधा बढ़ाने के उद्देश्य से वडोदरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, हरणी रोड पर 60यद्ध हाई स्पीड इलेक्ट्रिक वाहन सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया है। इस मौके पर चार्जजोन के संस्थापक कार्तिकेय हरियानी ने कहा कि चार्जिंग स्टेशन में ड्यूल गन हैं और यह एक समय में दो ईवी कारों को चार्ज कर सकता है। एक कार को फुल चार्ज करने में 40 से 45 मिनट का समय लगेगा। हमारा कनेक्टर ष्टष्टस्2 प्रकार का है इसलिए किसी भी ब्रांड की श्वङ्क कार को यहां चार्जज़ोन के चार्जिंग स्टेशन पर चार्ज किया जा सकता है।

उन्होंने वड़ोदरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना को एक गर्व का अवसर बताते हुए कहा, च्हमारा उद्देश्य ईवी कार उपयोगकर्ताओं को बेहतर, तेज और अधिक सुविधाजनक सुविधा प्रदान करना है।ज्ञ वे वडोदरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 24म7 कार चार्जिंग का लाभ उठा सकते हैं। प्ले स्टोर से चार्जजोन ऐप डाउनलोड करने से किसी भी ईवी कार को चार्ज करने में मदद मिलेगी। हमारे सभी चार्जिंग स्टेशन मानवरहित स्टेशन हैं।

चार्जजोन के संस्थापक कार्तिकेय हरियाणी आगे कहते हैं, हम ग्राहक सुरक्षा पर जोर देते हैं इसलिए हमने अपने ईवी कार उपयोगकर्ताओं की समझ और सुविधा के लिए फायर बकेट भी लगाए हैं और चार्जिंग के दौरान क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए? इसे डिस्प्ले बोर्ड पर लगाया गया है। वडोदरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के साथ हमारी समझ के हिस्से के रूप में, ईवी कार उपयोगकर्ताओं को अपनी ईवी कारों को चार्ज करने के लिए कोई पार्किंग शुल्क नहीं देना होगा। इस अवसर पर वडोदरा के सांसद डॉ. हेमांग जोशी और एयरपोर्ट अर्थॉरिटी, वडोदरा के निदेशक प्रदीप डोरबियाल विशेष रूप से उपस्थित थे और कंपनी द्वारा बनाई गई सुविधा की सराहना की।

मीडनाइट सन की भूमि नोर्वे का रमणीय, खुशनुमा पर्बतों से हरा भरा ट्रोम्सो नगर से प्रवाहित रामकथा का चौथा दिन

मंत्र महामनी बिषय ब्याल के।

मेटत कठिन कुअंक भाल के।।

कल हमने साबर मंत्र की बात की थी। भगवान शंकर ने कलयुग को काटने के लिए यह रचना करी थी।रामनाम बुद्धि से लेने से भी परिणाम महामंत्र का देता है। पूरा रामचरित महामंत्र है। प्रत्येक चौपाई मंत्र है। जैसे वेद की ऋचा सबको वेद मंत्र कहा है। जैसे हम रोज रामकथा में आरंभ में चारों वेद से चुने हुए मंत्र बजाते हैं।। मंत्र का एक अर्थ औषधि है। मंत्र एक थेरेपी है।।

बापू ने बताया कि माता पिता आकाश हमारी औषधि है।।किसी मरमग्य की जानकारी लेकर वह कहे इस तरह सेवन करने से भव भेषज- भव रोग का नाश होता है। गंगाजल औषधि है। रामकथा भी एक औषधि है।।

बच्चा खिलौना तोड़ देता है थोड़े समय उनकी दुनिया खत्म हो जाती है। लेकिन सही मालूम होने के बाद बाहर आने में वक्त लगता है।शास्त्र कहता है अतीत अनुसंधान छोड़! वो छोड़ने के लिए क्या चाहिए? दृढ़ भरोसा।।

बापू ने आज भरोसे के बारे में विस्तार से बातें की बापू ने कहा दार्जिलिंग में भरोसे पर कथा हुई है। भरोसा शब्द का कोई सही अंग्रेजी नहीं मिलता। लेकिन अनकंडीशनल फेइथ- बेशर्त श्रद्धा वह है भरोसा।।अनकंडीशनल ट्रस्ट,अनकंडीशनल सरन्डर- बेशर्त शरणागति वह भी भरोसा है।

हम दुनिया भर की समस्या घर में लेकर जाते हैं। लेकिन ऐसा करें आंगन में कोई वृक्ष की डाली या एक जगह रखें जहां हमारी समस्या की थैली रखकर घर के अंदर जाओ। क्योंकि परिवार प्रतीक्षा करता है, उन्हें आपकी समस्या से कोई लेना देना नहीं। चिंता लेकर कर में मत जाना।।

बापू ने यह भी कहा कि मैं आपसे प्रार्थना करता हूं पांच पर पूरा भरोसा रखिएॽ माता-पिता, गुरु, गुरु दत्त ग्रंथ, गुरु दत्त मंत्र, और गुरु दत्त ईष्ट यह पांच पर भरोसा हो तो हमें विपत्ति से निकाल देगा।। आइंस्टीन को पूछा गया कि आपका विज्ञान मंत्र है कि नहीं? आइंस्टीन ने बताया कि मुझे यह तो मालूम नहीं लेकिन मन में एक प्रक्रिया शुरू होती है वही प्रक्रिया धीरे-धीरे गुनगुनाता हूं और शब्दों में डालता हूं। मैं खुद ही सुनता हूं फिर प्रयोग में सिद्ध हो जाए तो सार्वजनिक करता हूं।।यही मंत्र विज्ञान है।। पहले मंत्र मन में मंत्र का जाप वह मानसी जप है। भीतर धारा चलेगी, एक हद के बाद मंत्र का जाप नहीं करना पड़ता। बाहर से कुछ भी काम करें भीतर धारा चलती रहती है। जिसे अजपा जाप कहते हैं। फिर खुद ही सुने और उर्ध्व बाहू होकर सार्वजनिक होता है। मानसिक जप बाद में उपांशु जप और फिर वाचिक जप।। चैतन्य महाप्रभु ने ऐसे नाम मंत्र की थेरेपी दुनिया को दी है।।

बच्चे को थोड़े समय के बाद नई दुनिया मिलेगी हमारे पास बुद्धपुरुष है,नाम है, ग्रंथ है।।

बापू ने कहा मन तुं क्यों चिंता करता है कृष्ण को जो भी करना है वह करें!

पहले मां-बाप पर भरोसा करो फिर गुरु के वचन पर भरोसा करो।।तुलसी जी कहते हैं मेटत कुअंक कठिन भाल के। मम्मट नामक महाकवि यही कहते हैं की काव्य सुख देता है। यश देता है। साहित्य विपत्तियों को नष्ट कर देता है। पत्नी के रूप में उपदेश देता है। साहित्य यदि विपत्ति को हर लेता है तो रामचरितमानस हमारी विपत्ति क्यों नहीं हटा सकता! पूछो मुरारी बापू को!

सती पॉली प्लास्ट लिमिटेड का आईपीओ 12 जुलाई 2024 को खुलेगा

मुंबई।

सती पॉली प्लास्ट लिमिटेड एक आईएसओ प्रमाणित कंपनी है जो लचीली पैकेजिंग सामग्रियों के निर्माण में लगी हुई है जो बहुक्रियाशील हैं और विभिन्न उद्योगों की पैकेजिंग आवश्यकताओं को पूरा करती हैं। कंपनी विभिन्न लचीली पैकेजिंग आवश्यकताओं के लिए संपूर्ण समाधान प्रदान करती है। सती पॉली प्लास्ट लिमिटेड ने सार्वजनिक पेशकश के माध्यम से धन जुटाने के लिए एनएसई इमर्ज के साथ एक रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस दाखिल किया है। कंपनी 13,35,000 नए इक्विटी शेयर जारी करेगी। आईपीओ 12-16 जुलाई 2024 तक खुला रहेगा।

सती पॉली प्लास्ट लिमिटेड आईपीओ का विवरण:

कुल इक्विटी शेयर- 13,35,000

मूल्य बैंड - रु. 123-130

अंकित मूल्य- 10 रु

लॉट साइज़- 1000

क्यूआईबी कोटा - 6,32,000 इक्विटी शेयर (एंकर कोटा सहित)

एचएनआई कोटा - 1,90,000 इक्विटी शेयर

खुदरा कोटा- 4,43,000 इक्विटी शेयर

मार्केट मेकर कोटा - 70,000 इक्विटी शेयर

आईपीओ का आकार - रू 17.36 करोड़ (उच्च मूल्य बैंड पर)

लिस्टिंग - एनएसई इमर्ज

कंपनी निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए इश्यू से शुद्ध आय आवंटित करने की योजना बना रही है:

1. कार्यशील पूंजी की आवश्यकता
2. सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य

कंपनी के बारे में:

सती पॉली प्लास्ट लिमिटेड वर्ष 2015 तक लचीली पैकेजिंग सामग्री के व्यापार के व्यवसाय में लगी हुई थी। 2017 से, इसने लचीली पैकेजिंग सामग्री का निर्माण शुरू किया। कंपनी ने दो विनिर्माण इकाइयाँ स्थापित की हैं, जिनमें से "प्लांट 1" C44, चरण II, गौतमबुद्ध नगर - नोएडा-201305 में स्थित है, जिसकी स्थापित क्षमता 540 टन प्रति माह है और "प्लांट 2" प्लॉट नंबर-85, उद्योग केंद्र, नोएडा-201306 प्रति माह 540 टन की स्थापित क्षमता के साथ स्थापित है। । कंपनी अपनी स्थापित क्षमता को 250 टन प्रति माह से बढ़ाकर 2018 में 400 टन प्रति माह और 2019 में 500 टन प्रति माह करके लगातार अपने व्यवसाय संचालन का विस्तार कर रही है। इसके पैकेजिंग समाधानों की श्रृंखला में खाद्य और पेय पदार्थों के विभिन्न प्रकार के उत्पाद शामिल हैं। श्रेणी, जिसमें नमकीन स्नैक्स, स्नैक बार, सूखे मेवे, कन्फेक्शनरी और सूखा भोजन शामिल हैं। यह उपलब्ध नवीनतम उपकरणों का उपयोग करता है और उत्पाद की गुणवत्ता, प्रक्रिया दक्षता और बेहतर सेवा को बनाए रखने के लिए लगातार निवेश करता है जिसके लिए वे प्रसिद्ध हैं।

सैमसंग ने नये फोल्डेबल फोन गैलेक्सी Z फोल्ड6 और Z फ्लिप6 को लॉन्च किया, गैलेक्सी एआई को नई ऊंचाईयों पर पहुंचाया

पेरिस। सैमसंग ने आज पेरिस में गैलेक्सी अनपैक्ड कार्यक्रम में गैलेक्सी बड्स3 और गैलेक्सी बड्स3 प्रो के साथ अपने बिल्कुल नए गैलेक्सी Z फोल्ड6 और गैलेक्सी Zफ्लिप6 को लॉन्च किया है। नई गैलेक्सी Zसीरीज की शुरुआत के साथ, सैमसंग गैलेक्सी एआई के नए अध्याय को सामने ला रहा है। इसके लिए उपभोक्ताओं को शानदार अनुभव देने के लिए डिजाइन किए गए सबसे बेहतरीन और मजबूत फॉर्म फैक्टर का लाभ उठाया जाएगा। गैलेक्सी एआई कम्युनिकेशन, प्रॉडक्टिविटी और क्रिएटिविटी के एक नए युग को गति देने के लिए मजबूत, इंटेलिजेंट और टिकाऊ फोल्डेबल अनुभव को साथ लाता है।

सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में मोबाइल एक्सपीरिएंस बिजनेस के प्रेसिडेंट और हेड टीएम रो ने कहा, "इनोवेशन के लंबे इतिहास ने सैमसंग को मोबाइल क्षेत्र में नेतृत्व करने, फोल्डेबल फॉर्म फैक्टर बनाने और मोबाइल एआई युग की शुरुआत करने में सक्षम बनाया है। अब, हम इन दो टेक्नोलॉजीज को एक साथ लाने और दुनिया भर के यूजर्स के लिए नई संभावनाओं का दरवाजा खोलने जा रहे हैं।" "हमारे फोल्डेबल्स प्रॉडक्ट्स प्रत्येक यूजर्स की उसकी अनूठी जरूरतों को पूरा करते हैं और अब यह गैलेक्सी एआई की शक्ति के साथ अनूठा अनुभव देने जा रहा है।"

गैलेक्सी Zफोल्ड6 और Zफ्लिप5 अब तक की सबसे स्लिम और सबसे हल्की गैलेक्सी Zसीरीज हैं, जिसे पोर्टेबिलिटी के लिहाज से तैयार किया गया है। सीधे एज के साथ पूरी तरह से सिमिट्रिकल डिजाइन सुंदर स्लीक फिनिश प्रदान करता है, जबकि गैलेक्सी Zफोल्ड 6 पर एक नया कवर स्क्रीन रेशियो ज्यादा बेहतर नैचुरल बार टाइप व्यू अनुभव देता है। आपके मानसिक सुकून के लिए, लेटेस्ट गैलेक्सी जेड सीरीज़ बेहतर आर्मर एल्युमीनियम और कॉर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस 2 के साथ आती है, जो इसे अब तक की सबसे टिकाऊ गैलेक्सी Z सीरीज़ बनाती है।

गैलेक्सी Zफोल्ड6 और फ्लिप6 दोनों ही गैलेक्सी के लिए स्नैपड्रैगन 8 Gen 3 मोबाइल प्लेटफॉर्म से लैस हैं, जो अभी तक का सबसे एडवांस्ड स्नैपड्रैगन मोबाइल प्रोसेसर है, जिसमें अपनी श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सीपीयू, जीपीयू और एनपीयू परफॉर्मेंस को साथ लाया गया है।

गैलेक्सी Z फोल्ड6 नोट असिस्ट, पीडीएफ ओवरले ट्रांसलेशन, कंपोजर, स्केच टू इमेज और इंटरप्रेटर जैसे एआई-समर्थित फीचर्स और टूल्स की सीरीज मुहैया कराता है, और बड़ी स्क्रीन का लाभ उठाते हुए उत्पादकता में बढ़ोतरी करता है। गैलेक्सी Zफोल्ड6 अपग्रेडेड गेमिंग अनुभव प्रदान करता है, इसमें शक्तिशाली चिपसेट और 1.6× बड़े वेपर चैंबर है जो लंबे समय तक गेम खेलने की क्षमता के साथ-साथ परफॉर्मेंस को बनाए रखता है।

स्विस ब्यूटी ने अपनी 11वीं वर्षगांठ पर अपना प्रीमियम मेकअप सेगमेंट 'स्विस ब्यूटी सिलेक्ट' लॉन्च किया

भारत । भारत के प्रमुख मेकअप ब्रांड्स में से एक स्विस ब्यूटी ने स्विस ब्यूटी सिलेक्ट की पेशकश कर अपनी 11वीं वर्षगांठ मनाई। उत्कृष्टता की अपनी विरासत को बरकरार रखते हुए, इस कलेक्शन को प्रीमियम सेगमेंट के लिए लाया गया है।

सुंदरता के पारखी भारतभर के ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए स्विस ब्यूटी को एक हाइब्रिड मेकअप रेंज के रूप में बड़ी ही सटीकता से तैयार किया गया है। इस कलेक्शन में स्किनकेयर और मेकअप का बड़ा ही अच्छा मेल देखने को मिलता है। इस रेंज में कई सारी श्रेणियों में प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं जैसे लिपस्टिक, बुलेट लिपस्टिक, आईशैडो, मस्कारा इत्यादि। इस ब्राण्ड की हर महीने ही बाजार में नए तरह के प्रोडक्ट्स लाने की योजना है। मेकअप को इस कलेक्शन में प्रमुखता दी गई है और ये उत्पाद विटामिन ई, नारियल पानी के सत्व और स्किनकेयर के अन्य बेहतरीन तत्वों से तैयार किए गए हैं। इस कलेक्शन के प्रोडक्ट्स में उत्पादों की गुणवत्ता बढ़ाने और यूजर को दुनिया की सबसे बेहतरीन स्किनकेयर तथा कलर कॉस्मैटिक का अनुभव देने के लिए माइक्रो-टबिंग और हिल्यूरिप टेक्नोलॉजी जैसी अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया गया है। इसमें सभी प्रोडक्ट्स डर्मेटोलॉजिकली टेस्टेड, वीगन और क्रुएल्टी-फ्री हैं। इससे ब्यूटी तथा स्किनकेयर में उच्च नैतिक मानकों को लेकर स्विस ब्यूटी का समर्पण झलकता है।

स्विस ब्यूटी सिलेक्ट अपनी वेबसाइट- www.swissbeauty.in के साथ पहले तीन महीने एक्सक्लूसिव रूप से नायका पर उपलब्ध है। इससे ग्राहकों को जल्दी उत्पाद तक पहुंचने का मौका मिल रहा है। साथ ही ये प्रोडक्ट्स जुलाई महीने के बाद से चंडीगढ़ के एलान्टे मॉल, पुणे के अमनोरा मॉल, सूरत के वीआर मॉल, अमृतसर के मॉल ऑफ अमृतसर, गाजियाबाद के ईडीएम, मुजफ्फरपुर के आईकन प्लाजा, हैदराबाद के सारथ सिटी कैपिटल मॉल और पुणे के एलप्रो सिटी स्क्वेयर में स्विस ब्यूटी के एक्सक्लूसिव ब्राण्ड आउटलेट में उपलब्ध होंगे।

मोहित गोयल, को-फाउंडर एवं डायरेक्टर का कहना है, च्भारत के सौंदर्य जगत में 11 वर्षों की अपनी मौजूदगी के साथ स्विस ब्यूटी को अपने उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों की गहरी समझ है। स्विस ब्यूटी सिलेक्ट नवाचार और गुणवत्ता को लेकर हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है। साथ ही आज के जमाने के सौंदर्य पारखियों की अलग तरह की पसंद को पूरा करने के लिए प्रीमियम उत्पादों की पेशकश करता है। हम सिर्फ नए उत्पाद लेकर नहीं आ रहे ; हम प्रीमियम ब्यूटी के मानकों को फिर से परिभाषित कर रहे हैं। ये लॉन्च हर किसी तक बेहतरीन सौंदर्य उत्पाद पहुंचाने के हमारे सफर में एक नया अध्याय है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)